जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 50 प्रभात उदयपुर, रविवार 22 दिसम्बर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

# राहुल की समूची राजनीति ओ.बी.सी. दलित और अल्पसंख्यकों पर केन्द्रित है

## इसलिए वे आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाना चाहते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। भाजपा के गृहमंत्री तथा सरकार में नं. दो अमित शाह ने जिस तरह डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का अपमान किया है, उस पर कांग्रेस एक विस्तृत राष्ट्रव्यापी और तूफानी हमला करने की योजना बना रही है। इस सिलसिले में, प्रैस कॉन्फ्रेंस होंगी, धरने होंगे, विरोध प्रदर्शन होंगे तथा उसके बाद, सी.डब्ल्यू.सी. की मीटिंग होगी, जिसमें इस पर तथा अन्य मुद्दों पर आगे की योजना बनाई जायेगी।

संसद में विरोध प्रदर्शन वाले दिन, भाई-बहन (राहुल और प्रियंका गांधी) नीले रंग के वस्त्र पहने हुये थे, जो दलित-उत्थान का प्रतीक है। इसी रंग के वस्त्र अम्बेडकर तथा कांशी राम पहना करते थे, जो दलितों को सशक्त बनाकर, उन्हें राजनैतिक मुख्यधारा में लाये थे।

- कांग्रेस वर्किंग कमेटी के कई वरिष्ठ नेता और ए.आई.सी.सी. के मध्यम दर्जे के नेताओं में राहुल गांधी की राजनीति को लेकर काफी बेचैनी है। इन नेताओं को लगता है कि इससे सवर्ण वोट पार्टी से पूरी तरह विमुख हो जाएंगे।
- इन नेताओं का कहना है कि दलितों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, क्योंकि, इन्होंने कांग्रेस को त्याग दिया है, जैसा हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में हुआ था।
- कांग्रेस के सवर्ण नेता व कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल सवर्णों, ओ.बी.सी., दलितों व अल्पसंख्यकों के बीच संतुलन बिठाएं, पर लगता है राहुल उनकी नहीं सुन रहे हैं।

राहुल और प्रियंका ने अपना राजनैतिक एजेंडा बिल्कुल स्पष्ट बना लिया है। इसमें सबसे ऊपर जातीय जनगणना है, और उसके बाद उस राजनीति का नम्बर है, जो राहुल करना चाहते हैं।

इसके अलावा, उनका जोर दलितों का जोरदार समर्थन करने पर होगा।

राहुल की पूरी राजनीति अब ओ.बी.सी., दलितों तथा अल्पसंख्यकों पर केन्द्रित है और वे चाहते हैं कि आरक्षण बढ़कर, 50 प्रतिशत को पार कर जाये।

सी.डब्ल्यू.सी. के बहुत से वरिष्ठ नेताओं के साथ, मध्यम श्रेणी के नेताओं में राहुल गांधी की इस राजनीति को लेकर काफी बेचैनी है। उनका मत है कि यह नीति ऊँची जातियों को कांग्रेस से बिल्कुल दूर कर देगी, तथा दलितों पर भरोसा नही किया जा सकता, उन्होंने कांग्रेस को छोड़ दिया है, जैसा हरियाणा और महाराष्ट्र में हुआ।

कांग्रेस के ऊँची जातियों के नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल संतुलन बनाये रखें, लेकिन ऐसा लगता है कि राहुल उनकी नहीं सुन रहे हैं।

# एल.पी.जी. टैंकर ब्लास्ट में हाई कोर्ट ने प्रसंज्ञान लिया

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के पास एलपीजी टैंकर ब्लास्ट की घटना पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही, अदालत ने आपदा प्रबंधन मंत्रालय, पेट्रोलियम सचिव और मुख्य सचिव सहित अन्य से जवाब तलब किया है। वहीं, अदालत ने प्रकरण को जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई के लिए संबंधित खंडपीठ के समक्ष दस जनवरी को सूचीबद्ध करने को कहा है। अदालत ने इस मुद्दे पर केन्द्र और राज्य सरकार

- केन्द्र व राज्य सरकार से इस मुद्दे पर उठाये गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी।

से उठाए गए कदमों की जानकारी भी मांगी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश दिए।

अदालत ने केन्द्र और राज्य सरकार से बताने को कहा है कि क्यों न इस हादसे के दोषी अफसरों के खिलाफ जांच कर इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाए। वहीं, अत्यधिक ज्वलनशील रसायन व गैस के गोदाम आदि को घनी आबादी क्षेत्र से दूर किया जाए। अदालत ने अधिकारियों से यह भी पूछा है कि क्यों न पुलों एवं ओवरब्रिजों के निर्माण कार्यों को तय समय में पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं और ज्वलनशील गैस व रसायनों के परिवहन के लिए एक पृथक रास्ता मुहैया कराने पर भी पॉलिसी बनाई जानी चाहिए। अदालत ने केन्द्र और राज्य सरकार के संबंधित विभागों को बताने को कहा है कि क्यों न घटना के मृतकों, घायलों

(शेष पृष्ठ 7 पर)

# आप और जद (यू) के बीच छिड़ा शब्द युद्ध

## अंबेडकर के मुद्दे पर केजरीवाल की चिट्ठी से भड़की जद (यू)

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। अंबेडकर के बारे में गृह मंत्री अमित शाह की "अपमानजनक टिप्पणियों" को लेकर भाजपा तथा उसके दो प्रमुख सहायक दलों, तेलगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) तथा जनता दल (यू) के बीच दरार पैदा करने की अरविंद केजरीवाल की चाल के बाद, दोनों पार्टियों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है।

शाह की टिप्पणियों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच, आम आदमी पार्टी के कन्वीवर अरविंद केजरीवाल ने टी.डी.पी. चीफ चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि संविधान के निर्माता के विरुद्ध गृह मंत्री अमित शाह की अपमानजनक टिप्पणियों के बाद उन्हें अपने आपको भाजपा से अलग कर लेना चाहिए।

इस संबंध में अपना रूख स्पष्ट करने के बजाय टी.डी.पी. चुप रही, जबकि जद (यू) ने जवाबी हमला करते हुए केजरीवाल पर, दलितों को प्रतिनिधित्व नहीं देने का आरोप लगाया।

दोनों नेताओं को लिखे अपने पत्रों में केजरीवाल ने टी.डी.पी. व जद (यू) से आग्रह किया था कि वे भाजपा के साथ अपनी पार्टनरशिप के बारे में पुनः विचार करें। केजरीवाल ने कहा, "जो लोग अंबेडकर से प्यार करते हैं, वे भाजपा का समर्थन नहीं कर सकते, जिसने अंबेडकर का अपमान किया है।

- जद (यू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि एक भ्रष्ट पार्टी को कुमार जैसे नेता को सलाह देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने केजरीवाल पर दलितों को प्रतिनिधित्व नहीं देने का आरोप लगाया।
- केजरीवाल ने अंबेडकर पर शाह की टिप्पणी के खिलाफ जद (यू) प्रमुख व तेलुगू देशम प्रमुख को पत्र लिखा था और भाजपा से गठबंधन तोड़ने की अपील की थी।
- इस मुद्दे पर जहाँ तेलुगू देशम ने चुप्पी साध रखी है वहीं जद (यू) ने आम आदमी पार्टी पर करारा हमला बोला।

जद (यू) वर्किंग प्रैसिडैंट तथा राज्यसभा सदस्य, संजय झा ने पलटवार किया तथा केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने दलितों और पिछड़े वर्गों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया। झा ने कहा कि "भ्रष्टाचार के आरोपों" से दूषित पार्टी को नीतीश कुमार जैसे व्यक्ति को सुझाव देने का अधिकार नहीं है।

झा ने केजरीवाल पर, हाशिए पर पड़े अधिकार विहीन वर्गों को नज़रअंदाज़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आप ने दलित और पिछड़े वर्गों के एक भी नेता को राज्यसभा में नहीं भेजा। उन्होंने केजरीवाल पर आरोप लगाया कि दलित नेता को पंजाब का उपमुख्यमंत्री बनाने का अपना वादा भी केजरीवाल ने पूरा नहीं किया।

झा ने आगे कहा, नीतीश कुमार ने 2014 में महादलित जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था। उन्होंने कहा कि इण्डिया ब्लॉक के साथ गठबंधन के समय नीतीश कुमार ने जाति जनगणना का मुद्दा उठाया था और यह भी कि ब्लॉक के अन्य पार्टनरों से उन्हें इस मुद्दे पर बहुत कम समर्थन मिला था।

झा ने यह भी कहा कि दो दलित मंत्रियों ने केजरीवाल के मंत्रिमंडल से यह कहते हुए इस्तीफा दिया कि उनके लोगों के हितों की अनदेखी की जा रही थी। झा ने कहा कि "2020 में, जब कोविड महामारी अपने चरम पर थी, उस समय केजरीवाल ने बिहार के लोगों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया, जबकि उस आपदा के समय नीतीश कुमार ने ऐसे लोगों के लिए हर तरह के इंतजाम किए थे।"

# क्रेडिट कार्ड बकाया के भुगतान से 30 प्रतिशत ब्याज की सीमा हटाई सुप्रीम कोर्ट ने

## सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के नैशनल कंज़्यूमर डिस्प्यूट्स रीड्रैसल कमीशन के आदेश को रद्द किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट रीड्रैसल कमीशन के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें बैंकों को क्रेडिट कार्ड के बकाया या 30 प्रतिशत ब्याज वसूली की सीमा लगाई गई थी। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और सतीश चन्द शर्मा की बैंच ने आयोग के 2008 के फैसले को रद्द कर दिया, जिसके तहत कहा गया था कि क्रेडिट कार्ड यूजर्स से बकाया पर 30 प्रतिशत से ज्यादा ब्याज वसूलना गलत ट्रेड प्रैक्टिस है।

कोर्ट ऐसी याचिका की सुनवाई कर रही थी, और अब आर.बी.आई. मामले में दिए गए आयोग के निर्णय को चुनौती देती है, जिसमें आयोग के समक्ष सवाल था कि क्या बैंकों के भुगतान में देरी होने से क्रेडिट कार्ड पर 36 से 49 प्रतिशत तक ब्याज लगाना ठीक है, क्या ऐसी ब्याज दरों को सूद खोरी माना जाएगा

- रिड्रैसल कमीशन ने 2008 के फैसले में क्रेडिट कार्ड बकाया के भुगतान पर 36 से 49 प्रतिशत ब्याज वसूली को सूद खोरी बताया था और ब्याज की सीमा 30 प्रतिशत तय कर दी थी।
- कमीशन के फैसले के खिलाफ दायर बैंकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आयोग का फैसला पलट दिया।
- इस फैसले से ग्राहकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, अगर उन्होंने निर्धारित समय पर क्रेडिट कार्ड का बकाया नहीं चुकाया तो।

और क्या रिज़र्व बैंक को, बैंकों/गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों/पैसा उधार देने वालों को किसी विशिष्ट ब्याज दर से अधिक ब्याज लेने से रोकने के लिए दिशा निर्देश जारी करना चाहिए।

रिज़र्व बैंक ने कहा कि हालांकि उसने बैंकों को निर्देश दिया है कि जरूरत से ज्यादा ब्याज दर न ली जाए, लेकिन उसकी नीति ब्याज दरों को नियंत्रित करने की नहीं है। इसलिए यह मामला बैंकों के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स के सुपुर्द कर दिया गया है। इसलिए आर.बी.आई. को निर्देश जारी नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह 1949 के बैंकिंग विनियमन अधिनियम के तहत एक विवेकाधीन शक्ति है।

# 'वाहनों के अवधि पार फिटनेस नवीनीकरण में अतिरिक्त फीस अवैध'

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कमर्शियल वाहनों के अवधि पार फिटनेस प्रमाण पत्र का नवीनीकरण के लिए पचास रुपए प्रतिदिन के हिसाब से अतिरिक्त फीस वसूलने के प्रावधान को कानून की नजर में गलत मानते हुए, उसे अवैध घोषित कर कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने कहा है कि

- वाहनों पर अवधि पार नवीनीकरण में 50 रूपये प्रतिदिन की अतिरिक्त फीस वसूलने के प्रावधान को अवैध घोषित किया।

याचिकाकर्ताओं से फिटनेस प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिए देरी के आधार पर अतिरिक्त फीस वसूल नहीं की जाए। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने ये आदेश श्याम प्रकाश मीणा व 195 अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सतीश खंडेलवाल और अधिवक्ता रजनी व्यास ने अदालत को बताया कि केन्द्र सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत, 4 अक्टूबर, 2021 को

(शेष पृष्ठ 7 पर)

# '24 दिसम्बर को देश भर में अंबेडकर के सम्मान में और शाह के खिलाफ प्रदर्शन होगा'

## कांग्रेस और बसपा ने अपने-अपने कार्यक्रम घोषित किए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी ने आज घोषणा की कि बाबा साहेब अम्बेडकर पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की हाल ही की टिप्पणी को लेकर 24 दिसम्बर को पूरे देश में विरोध- प्रदर्शन किया जायेगा।

जहाँ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने घोषणा की है कि संसद में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में 24 दिसम्बर को देशव्यापी प्रदर्शन किया जायेगा, वहीं कांग्रेस महासचिव तथा संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल ने कहा है कि पार्टी का विरोध-प्रदर्शन, जिसमें शाह के इस्तीफे की माँग की जा रही है, जारी रहेगा तथा वे (कांग्रेस) "मनुस्मृति-पूजकों" के विरोध में, अम्बेडकर की विरासत की सुरक्षा के लिये संघर्ष करेंगे।

मायावती ने कहा, "अमित शाह ने बाबा साहेब का अपमान करके, जनता के हृदय को आघात पहुँचाया है। इतने महान व्यक्ति के खिलाफ बोले गये शब्दों के कारण, पूरे देश की जनता नाराज एवं उत्तेजित है।"

- कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने अंबेडकर सम्मान सप्ताह मनाने की घोषणा करते हुए कहा, मनुस्मृति के उपासकों के खिलाफ अंबेडकर की विरासत को बचाने के लिए और शाह का इस्तीफा मांगने के लिए हमारा आंदोलन जारी रहेगा।
- मायावती ने एक्स पर कहा, हमने कहा अमित शाह माफी मांगे और अपने शब्द वापस लें, पर उन्होंने ऐसा नहीं किया इसलिए हम 24 दिसम्बर को देश भर में उनके खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।
- कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि 22 और 23 दिसम्बर को कांग्रेस के सभी नेता सांसद अपने क्षेत्रों में प्रैस कॉन्फ्रैंस करेंगे और 24 दिसम्बर को देश में अंबेडकर सम्मान मार्च आयोजित किए जाएंगे।

शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में, मायावती ने लिखा, "बसपा ने माँग की थी कि अमित शाह को, अपना बयान वापस लेकर, पश्चाताप करना चाहिये, लेकिन उन्होंने अब तक क्षमा-याचना नहीं की है।"

उन्होंने कहा, "ऐसी स्थिति में, बसपा ने 24 दिसम्बर को देशव्यापी विरोध करने का निर्णय लिया है। उस दिन सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध एवं प्रदर्शन किये जायेंगे।"

जैसी कि पहले सूचना दी जा चुकी है, कांग्रेस आगामी सप्ताह को "अम्बेडकर सम्मान सप्ताह" के रुप में मनायेगी। इसी सिलसिले में, वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा है, "सभी कांग्रेस सांसद, वरिष्ठ नेता तथा कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) के सदस्य अपने निर्वाचन क्षेत्रों तथा गृह जिलों में 22-23 दिसम्बर को प्रैस कॉन्फ्रेंसों का आयोजन करेंगे। 24 दिसम्बर को, हम सारे देश में बाबा साहेब अम्बेडकर सम्मान मार्च निकालेंगे तथा जिला कलेक्टरों के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को ज्ञापन देंगे, जिसमें अमित शाह के इस्तीफे की माँग की जायेगी।"

वरिष्ठ कांग्रे नेता ने कहा कि सभी पार्टी कार्यकर्ता बाबा साहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे, पद-यात्रा में सबसे

(शेष पृष्ठ 7 पर)

## विचार बिन्दु

**चेहरा मस्तिष्क का प्रतिबिम्ब है और आँखें बिना कहे दिल के राज़ खोल देती हैं।**
**–सैंट जेरोमे**

# पेड़-पौधे सिर्फ हरियाली नहीं हैं, ये हमारी आत्मा को प्रफुल्लित करने के माध्यम है

प्राकृतिक परिवेश में समय बिताना मेरे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हर बार जब मैं प्रकृति के करीब गया हूं, मैंने अपने भीतर और बाहर कुछ अनमोल बदलाव महसूस किए हैं। आयुर्वेद में वनानुभव का महत्त्व अनेक सन्दर्भों में वर्णित है। समकालीन शोध भी इस विषय में कम नहीं है। वर्ष 2019 में मैंने एक वैज्ञानिक अध्ययन के बारे में पढा, जिसमें बताया गया था कि सप्ताह में 120 मिनट प्रकृति में बिताने से स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन में बडा सुधार होता है। इसे पढने के बाद, मैंने इसे अपने बहुत से साथियों को जीवन में लागू करने हेतु प्रेरित किया। जिन साथियों ने भी 120 मिनट का नियम अपनाया, उनका अनुभव अद्भुत है। किसी वन में या घने शहरी पार्क में ऊंचे पेडों के बीच बैठकर पक्षियों की चहचहाहट सुनते हुए आप महसूस कर सकते हैं कि आपके मन की बेचैनी धीरे-धीरे गायब हो रही है। यह अनुभव आपको आयुर्वेद और समकालीन अध्ययनों की सत्यता का प्रमाण देगा। आप महसूस करेंगे कि कैसे प्रकृति के साथ जुड़ाव आपके भीतर एक गहरा सुकून ला सकता है। आज यहाँ मैं आपको वनानुभव पर अपने साथियों के अनुभव साझा करूंगा।

एक दिन, अत्यधिक तनाव के कारण मेरे एक साथी की रात की नींद उड गई थी। दोस्त को मैंने सलाह दिया, ''क्यों न जंगल में लंबी सैर कर के आ जाओ?'' वह हिचकिचाते हुए सहमत हुआ। अगले ही दिन हम पास के एक जंगल में गए। वहाँ की ताजा हवा, वृक्षों से छनकर आती धूप, और मिट्टी की खुशबू ने उसके अंदर कुछ बदल दिया। जब वह वापस लौटकर अपने को आईने में देखा, तो उसकी आंखों में एक नई चमक थी। यह अनुभव मेरे उसके लिए व्यक्तिगत था, लेकिन वैज्ञानिक तथ्यों पर ध्यान दिया जाएतो पता चलता है कि वनस्पतियों से निकलने वाले केमिकल्स हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। वनों में घूमना न सिर्फ एक अच्छा एहसास देता है, अपितु इससे आपका शरीर भी लाभान्वित होता है। आपके दिल की धड़कनें सामान्य होने लगती हैं, रक्तचाप स्थिर होने लगता है। तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल का स्तर भी कम होता है। वस्तुत: प्रकृति में समय बिताना न केवल मन के लिए बल्कि शरीर के लिए भी आवश्यक है।

कुछ साल पहले, मेरे एक साथी का जीवन एक कठिन दौर से गुजर रहा था। वह गहरे तनाव और अवसाद में था। एक दिन, बिना किसी योजना के, उसे मैंने अपने साथ एक ऊंचे घने वृक्षों वाले पहाड़ी रास्ते पर लेकर गया। ऊंचे पेड़ों के बीच चलते हुए उसने मुझे बताया कि वह आज अपनी सांसों की आवाज सुन और महसूस कर रहा है और हर कदम के साथ कंधों से बोझ हल्का होता जा रहा है। उस दिन, मैंने वनानुभव का सही अर्थ समझाया। जापानी संस्कृति में भी इस तकनीक को शिनरिन-योकू के या वन-स्नान तकनीक के नाम से जाता है जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए प्रयोग की जाती है। विज्ञान में इसके पक्ष में अनेक अध्ययन हैं लेकिन मेरे मित्र के लिए यह सिर्फ विज्ञान नहीं था-यह उसके जीवन की कहानी का एक नया अध्याय था।

आप पाएंगे कि जब आप प्रकृति में समय बिताते हैं, तो रचनात्मकता और सोचने की क्षमता बढ़ जाती है। एक बार मेरा एक साथी अपनी एक परियोजना पर अटका हुआ था, तो मैंने उसे जंगल घूम कर आने की सलाह दिया। वापस आने पर, समाधान खुद-ब-खुद स्पष्ट हो गया। यह उसके लिए एक सबक था-जब दिमाग भटक रहा हो, तो उसे थोड़ी देर के लिए प्रकृति के हवाले कर दें।

मेरे बेटे की कहानी भी ऐसी ही प्रेरणादायक है। बचपन में वह वीडियो गेम्स में इतना खो जाता था कि उसकी सामाजिक और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगी थीं। मैंने उसे अपने साथ वनों में घुमाने का फैसला किया। उसने मुझे बताया कि उसने वहां पेड़-पौधों को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानने लगा है। उसने कहा, ''जंगल में रहना ऐसा लगता है जैसे मैं खुद से जुड़ गया हूं।'' आज उसे जब भी समय मिलता है देश भर के वनों और वन्य-जीव अभयारण्यों में टहलने के लिए चल देता है। सुन्दर प्रकृति की खोज में देश भर में वह लाखों किलोमीटर अपनी मोटर साइकिल से घूम चुका है। यह अनुभव मुझे एक अध्ययन की याद दिलाता है, जिसमें बताया गया है कि बच्चों का प्रकृति से जुड़ाव उनके सामाजिक और भावनात्मक विकास को मजबूत करता है।

**आज, जब जीवन के संघर्षों और भागदौड़ में हमारा संबंध अपनी जड़ों से टूटता जा रहा है, वृक्ष और वनस्पतियाँ हमें पुनः स्मरण कराती हैं कि हमारी आत्मा का पोषण केवल प्रकृति के माध्यम से ही संभव है। उनकी हरियाली में छुपा है एक ऐसा अमृत, जो हमें मानसिक स्थिरता और आनंद प्रदान करता है। वे हमारे जीवन में संतुलन और सामंजस्य का प्रवेश कराते हैं। इसलिए, आइए, अपने जीवन में वृक्षों और वनस्पतियों को केवल पर्यावरण का हिस्सा न मानें। उन्हें अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं।**

इसी तरह एक दादी माँ जो अकेलेपन से जूझ रही थीं, उन्हें मैंने पास के पार्क में सुबह की सैर के लिए प्रेरित किया। कुछ महीनों में ही उनकी हंसी और जोश वापस आ गया। वह कहने लगीं, ''यह पार्क मेरा नया दोस्त बन गया है।'' यह देखकर मुझे एहसास हुआ कि प्रकृति का प्रभाव केवल बच्चों पर ही नहीं, बल्कि वृद्धजनों पर भी गहरा होता है। एक और घटना याद आती है। मेरी दादी ने एक बार बताया था कि जब वह युवा थीं, तो कैसे खेतों में काम करते हुए प्रकृति के साथ उनका संबंध मजबूत हुआ करता था। उन्होंने कहा, ''वह धूल भरी मिट्टी, खेतों की हवा-यह सब मेरे जीवन का हिस्सा था।'' यह याद हमें बताती है कि हमारे पूर्वजों का प्रकृति के साथ गहरा रिश्ता था, जो आज हम खोते जा रहे हैं।

अनेक बार मैंने एक सामुदायिक वृक्षारोपण अभियानों में भाग लिया है। वहां लोग भले ही अजनबी हों लेकिन जैसे ही मिलकर पेड़ लगाते है उन लोगों के मध्य मित्रता का प्रारंभ हो जाता है। यह देखकर मुझे अनुभव हुआ कि प्रकृति केवल व्यक्तिगत शांति का ही स्त्रोत नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संबंधों को भी ठोस बनाती है। एक अध्ययन में यह पाया गया है कि सामुदायिक प्रकृति परियोजनाएं सामाजिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करती हैं। लेकिन मेरे लिएयह सिर्फ एक अध्ययन नहीं है-यह मेरे जीवन का हिस्सा है।

प्राकृतिक परिवेश में समय बिताना उन लोगों के लिए जीवन को बदलने वाला अनुभव रहता है जो शहरों में रहते हैं। यह सिर्फ शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे जीवन के लिए एक नई दिशा प्रदान करता है।

वृक्ष और वनस्पतियाँ केवल पृथ्वी का श्रृंगार मात्र नहीं हैं; वे जीवन की गूढ़ अनुभूतियों के सजीव उपदेशक हैं। उनकी हरियाली में निहित है हमारी आत्मा को प्रफुल्लित करने की अनुपम शक्ति, जो बाह्यशांति के साथ-साथ आंतरिक उल्लास का संचार करती है। वे केवल श्वास हेतु प्राणवायु ही नहीं देते, अपितु हमें धैर्य, त्याग और निरंतरता का अनमोल पाठ भी पढ़ाते हैं।

प्रकृति का प्रत्येक कण एक प्रेरक संदेश प्रदान करता है। जब हम किसी विशाल वटवृक्ष के नीचे बैठते हैं, तो उसकी घनी छाया हमें केवल तपती धूप से नहीं बचाती, वरन् मन के क्लेशों को भी हर लेती है। उस वृक्ष की स्थिरता और गहराई हमें सिखाती है कि जीवन के झंझावातों में भी स्थिरता और संतुलन बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। उसकी गहन जड़ें धरती में मजबूती से धंसी होती हैं, जो हमें अपने मूल्यों और संस्कारों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती हैं, जबकि उसकी फैली हुई शाखाएँ खुले आकाश की ओर बढ़ती हैं, जो हमें उच्च आदर्शों की ओर अग्रसर होने का संकेत देती हैं।

पत्तों की सरसराहट, पुष्पों की मृदुल सुगंध, और वायु में तैरती ताजगी का अहसास-यह सब हमारे मन और आत्मा को उस दिव्यता से जोड़ देते हैं, जो आधुनिक जीवन की आपाधापी में कहीं खो गई है। यह प्रकृति का मौन संवाद है, जो हमारे भीतर की शांति को जागृत करता है और हमें आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है।

पुन: आप यह कह सकते हैं कि वृक्ष हमें केवल प्राणवायु ही नहीं प्रदान करते; वे हमें जीने की कला भी सिखाते हैं। वटवृक्ष की दृढ़ता, बांस की लचक, और गुलमोहर का उत्सवधर्मी स्वभाव-प्रत्येक वृक्ष में जीवन के विभिन्न रंग झलकते हैं। पतझड़ में पत्तों का झड़ना हमें यह शिक्षा देता है कि पुराने बंधनों को त्यागने में ही नवनिर्माण का रहस्य छुपा है। वसंत का उल्लास हमें बताता है कि हर कठिन समय के बाद एक नवीन प्रभात अवश्य आता है। वे हमें परिवर्तन की अनिवार्यता और उसे स्वीकार करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

वृक्षों की मूक उदारता भी हमें सिखाती है कि कैसे बिना किसी अपेक्षा के दूसरों को देना चाहिए। वे फल, छाया, और प्राणवायु प्रदान करते हैं, बिना किसी स्वार्थ के। यह नि:स्वार्थ सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है, जो हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

जब हम किसी वृक्ष के निकट बैठते हैं, तो यह अनुभव करते हैं कि वह वृक्ष हमारी भावनाओं को अपने भीतर समाहित कर लेता है। उसकी मूक उपस्थिति हमारे भीतर छिपी क्लांति को हर लेती है और एक नवचेतना का संचार करती है। प्रकृति के सान्निध्य में बिताया गया हर क्षण हमारी आत्मा को उस गहन शांति और संतुलन से भर देता है, जिसकी खोज में हम प्राय: भटकते हैं। यह मन, शरीर और आत्मा का परिष्कार है, जो हमें आत्मज्ञान और आत्मबोध की ओर ले जाता है। वृक्षों के साथ यह संलाप हमें अपने भीतर की आवाज़ सुनने का अवसर प्रदान करता है। उनकी मौन शिक्षा हमें बताती है कि स्थिरता में भी शक्ति होती है, और मौन में भी संदेश।

आज, जब जीवन के संघर्षों और भागदौड़ में हमारा संबंध अपनी जड़ों से टूटता जा रहा है, वृक्ष और वनस्पतियाँ हमें पुन: स्मरण कराती हैं कि हमारी आत्मा का पोषण केवल प्रकृति के माध्यम से ही संभव है। उनकी हरियाली में छुपा है एक ऐसा अमृत, जो हमें मानसिक स्थिरता और आनंद प्रदान करता है। वे हमारे जीवन में संतुलन और सामंजस्य का प्रवेश कराते हैं। इसलिए, आइए, अपने जीवन में वृक्षों और वनस्पतियों को केवल पर्यावरण का हिस्सा न मानें। उन्हें अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं। उनके सान्निध्य में बिताया गया एक-एक पल हमें उस आध्यात्मिक शक्ति से जोड़ेगा, जो हमारी आत्मा को सजीव और प्रफुल्लित कर देगा। वृक्षारोपण करें, बगीचों में समय बिताएं, और प्रकृति के सान्निध्य का आनंद लें। यह केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि आत्मा की तृप्ति का मार्ग है।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ. दीप नारायण पाण्डेय**
**( भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर )**
**( यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं )**

# खाद्य मिलावट के कहर ने जिंदगी में जहर घोला

अविनाश जोशी

खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर मुद्दा है जो पीढ़ियों से हमारे भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है। अब समय आ गया है कि इस प्रथा को समाप्त किया जाए और मांग की जाए कि हमारा भोजन हानिकारक प्रदार्थो से मुक्त हो। पिछले एक दशक में, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

खाद्य अपमिश्रण से आंखों की रोशनी जाना, हृदय संबन्धित रोग, लीवर खराब होना, कुष्ठ रोग, आहार तंत्र के रोग, पक्षाघात व कैंसर जैसे हो सकते हैं। अनेक स्वार्थी उत्पादक एवं व्यापारी कम समय में अधिक लाभ कमाने के लिए खाद्य सामाग्री में अनेक सस्ते अवयवों की मिलावट करते हैं, जो हमारे शरीर पर दुष्प्रभाव डालते हैं।

नए रोगों के चलते डॉक्टरों के यहां लगी रोगियों की लंबी कतारें काफी हद तक मिलावटी खाद्य पदार्थों का ही नतीजा हैं। सबसे विकट स्थिति उपभोक्ता के सामने होती है, जो ज्यादातर मामलों में असली सामान की पहचान करने की सलाहियत नहीं रखते।

हम सब अपने खाने-पीने को लेकर इतने सजग होते हैं कि भोजन में जरा भी गड़बड़ होने पर उसे छोड़ देना बेहतर समझते हैं। मगर इस बात का पता शायद ही हमें कभी चल पाता है कि बाजार में जितने भी खाद्य पदार्थ मिल रहे हैं, उनमें कितने मिलावटी हैं और वे हमारे शरीर को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं। मगर इस बीच आम लोगों के बीच मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर थोड़ी जागरूकता बढ़ी है।

भारत सरकार ने खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम सहित कई कानून बनाकर इस मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार किया है। हालाँकि, खाद्य अपमिश्रण की प्रकृति हर राज्य में अलग-अलग होती है, और बदलते पर्यावरणीय कारकों या बेहतर उत्पादन और खेती के तरीकों के परिणामस्वरूप नए मिलावटखोर पैदा हो सकते हैं। सामान्यत: बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। दालें, अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। आज मिलावट का सबसे अधिक कुप्रभाव हमारी रोजमर्रा के जीवन में प्रयोग होने वाली जरूरत की वस्तुओं पर ही पड़ रहा है। शरीर के पोषण के लिए हमें खाद्य पदार्थों की प्रतिदिन आवश्यकता होती है। शरीर को स्वस्थ रखने हेतु प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन तथा खनिज लवण आदि की पर्याप्त मात्रा को आहार में शामिल करना आवश्यक है तथा ये सभी पोषक तत्व संतुलित आहार से ही प्राप्त किये जा सकते हैं। यह तभी संभव है, जब बाजार में मिलने वाली खाद्य सामग्री, दालें, अनाज, दुग्ध उत्पाद, मसाले, तेल इत्यादि मिलावट रहित हों। खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता काफी कम हो जाती है। खाद्य पदार्थों में सस्ते रंग इत्यादि की मिलावट करने से उत्पाद तो आकर्षक दिखने लगता है, परंतु पोषकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

अब से तीन दशक पहले सुनने को मिलता था कि दूध सिंथेटिक हो सकता है। मगर काफी समय से यह यूरिया, अन्य रसायनों आदि के प्रस्ताव के बाद और जाने क्या क्या मिलाकर तैयार किया जा रहा है। पनीर, केमिकल और पानी से और मावा मिल्क पाउडर से तैयार किया जा रहा है। हल्दी, लाल मिर्च, धनिया हींग, जीरा, काली मिर्च, सरसों का तेल, रिफाइंड तेल इसके अलावा अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की खबरें आम हो गई हैं, मगर इस पर नजर रखने वाले महकमे शायद तब तक नींद में रहते हैं, जब तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आ जाते है या फिर उसके बारे में लोगों को पता नहीं चल जाता।

मुश्किल यह है कि अगर कभी जांच-पड़ताल होती है और जिन दुकानदारों के खाद्य पदार्थों के नमूने फेल होते हैं, उनके मामले निचले स्तर के अधिकारियों या अदालतों में जाते हैं, जहां मामूली प्रक्रिया अपनाने के बाद उन्हें और बख्श दिया जाता है। जबकि केवल नकली मावे को ही देखें तो देश के कुछ इलाकों में यह कुटीर उद्योग का रूप ले चुका है। ऐसे कारोबारियों से केवल जुर्माना लेकर छोड़ देने से अब स्थिति संभलने वाली नहीं है। दरअसल, कड़ी कार्रवाई की जरूरत इसलिए भी है कि मिलावटी खाद्य पदार्थ को खाने की वजह से किसी व्यक्ति की सेहत खराब हो जा सकती है, बल्कि स्थिति बिगड़ने से मौत भी हो सकती है। इसलिए अगर मिलावटखोरों के खिलाफ हत्या के प्रयास से संबंधित कानूनी धारा का इस्तेमाल करने की मांग की जाती है तो इसमें कोई हैरानी बात नहीं है।

सामान्य रूप से किसी खाद्य पदार्थ में कोई बाहरी तत्व मिला दिया जाए या उसमें से कोई मूल्यवान पोषक तत्व निकाल लिया जाए या भोज्य पदार्थ को अनुचित ढंग से संग्रहीत किया जाए तो उसकी गुणवत्ता में कमी आ जाती है। इसलिए उस खाद्य सामग्री या भोज्य पदार्थ को मिलावटयुक्त कहा जाएगा। भारत सरकार द्वारा खाद्य सामठी की मिलावट की रोकथाम तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध आहार उपलब्ध कराने के लिए सन् 1954 में खाद्य अपमिश्रण अधिनियम (पीएफए एक्ट 1954) लागू किया गया। उपभोक्ताओं के लिए शुद्ध खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की जिम्मेदारी है। इसको ध्यान में रखते हुए उपरोक्त खाद्य अपमिश्रण रोकथाम अधिनियम बनाया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य जहरीले एवं हानिकारक खाद्य पदार्थों से जनता की रक्षा करना,घटिया खाद्य पदार्थों की बिक्री की रोकथाम एवम धोखाधड़ी प्रथा को नष्ट करके उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना।

जब से कुछ लोगों ने इस पर गौर करना शुरू किया है, तब से कई हकीकतें उजागर होने लगी हैं। मिलावटखोरों ने ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं कि सही माल बेचने वाले दुकानदारों को भी लोग अब शक की नजर से देखने लगे हैं। हालांकि मिलावटखोर केवल खाद्य पदार्थों में ही नहीं, अन्य सामानों की ओर भी अपने पैर फैला चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि जब कभी कोई मामला सामने आता है, उसके बावजूद सरकार इस काम में लगे लोगों के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाती। जबकि जरूरत सख्त कार्रवाई करने की है। यों हमारे आसपास हर रोज दुकानदार से लेकर किसी खाद्य पदार्थ का कारोबार करने वाले लोगों को मिलावटी सामान बेचने में जरा भी हिचक नहीं होती कि इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों की सेहत पर इसका क्या असर पड़ेगा! मसलन, रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले दूध की गुणवत्ता को लेकर अक्सर खबरें आती रहती हैं कि इसके सेवन से घातक रोग हो सकते हैं।

अव्वल तो इसे लेकर प्रशासन गंभीर नहीं होता और जब कभी संबंधित महकमों के लोग मिलावट की गतिविधियों में लगे लोगों को पकड़ते हैं, तब भी कोई बड़ी और याद रखने वाली कार्रवाई नहीं होती। फिर कुछ दिनों बाद ऐसा धंधा करने वाले कारोबारी बेफिक्र अपना कारोबार चलाते रहते हैं। किसी पर्व-त्योहार के मौके पर बाजार में खुले तौर पर मिलावटी सामान बिकते रहते हैं, मगर कोई ऐसा तंत्र नहीं दिखता जो इन पर लगाम लगा सके। कभी शिकायत होने पर या औचक निरीक्षण में ऐसे लोग पकड़े भी जाते हैं तो कार्रवाई किसी ठोस अंजाम तक नहीं पहुंचता, ताकि अन्य लोग मिलावटी खाद्य पदार्थ न बेचें। एक ओर खाद्य पदार्थों में मिलावट कई बार सेहत पर गहरा जोखिम पैदा करता है, दूसरी ओर खाद से लेकर आम उपयोग के ज्यादातर सामानों के नकली संस्करण बाजार में मौजूद होते हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नवजात शिशु दूध भी शुद्ध पी रहा है, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

व्यापारी वर्ग की भी जिम्मेदारी है कि वे उपभोक्ताओं के जीवन का खयाल रखने के लिए शुद्ध सामग्री की बिक्री करें। मिलावटखोरों के खिलाफ अगर खुद कारोबारियों की ओर से ही आवाज उठेगी, तब लोगों का भरोसा भी बाजार पर बढ़ेगा। अगर कारोबार-जगत से इस मसले पर सहयोग मिलता है और वे मिलावट के विरुद्ध ठोस जमीन तैयार करा पाते हैं, तो यह एक अच्छी बात होगी।

**–अविनाश जोशी,**
**स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक।**

# शिल्पग्राम महोत्सव शुरू, दस दिन तक शिल्प व कला की धूम रहेगी

**उदयपुर,** (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने कहा कि लोक कलाएं जीवन का उजास और सामूहिक चेतना है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी है कि उसे कोई मिटा नहीं सकता। उन्होंने महाराणा प्रताप को याद करते हुए कहा कि इस वीर सपूत ने मेवाड़ की भूमि को स्पर्श कर इसे वंदनीय बना दिया। महाराणा प्रताप ने हमारी संस्कृति को मिटाने आए मुगलों को सफल नहीं होने दिया। राज्यपाल शनिवार शाम केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में हवाला रानी रोड स्थित शिल्पग्राम में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा आयोजित विश्व प्रसिद्ध शिल्पग्राम महोत्सव के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

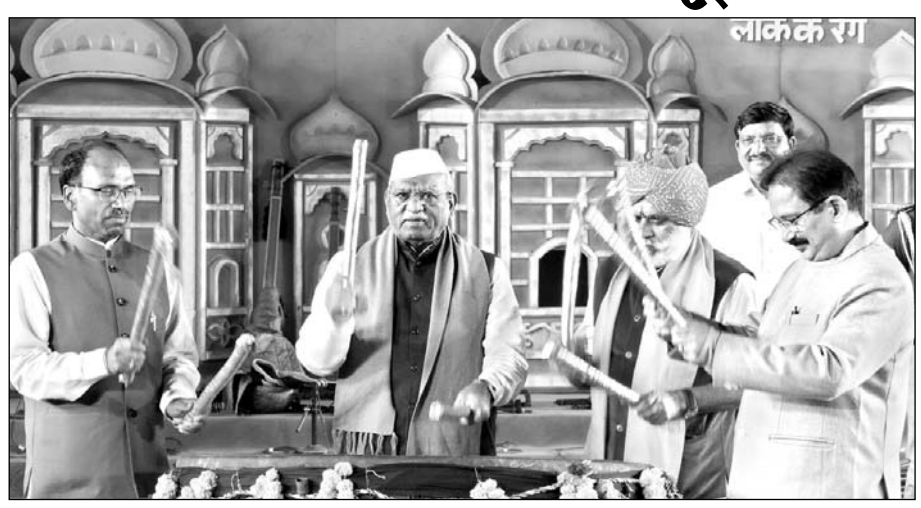

राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने उदयपुर में शिल्पग्राम महोत्सव की नगाड़ा बजाकर शुरूआत की।

- लोक कलाएं जीवन का उजास और सामूहिक चेतनाः राज्यपाल बागडे

मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित इस समारोह में उन्होंने परंपरानुसार नगाड़ा बजाकर महोत्सव का शुभारंभ किया। इससे पूर्व उन्होंने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि सांसद मन्नालाल रावत तथा विधायक फूलसिंह मीणा भी मौजूद रहे। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान अतिथियों का स्वागत किया और शिल्पग्राम महोत्सव के संबंध में जानकारी दी। राज्यपाल बागडे ने कहा कि शिल्पग्राम एक ऐसा स्थल है, जो देश के विभिन्न प्रांतों की लोक संस्कृति को एक सूत्र में पिरोता है। इसके साथ ही 10 दिन यानी 30 दिसंबर तक ''लोक के रंग-लोक के संग'' थीम पर आधारित शिल्पग्राम महोत्सव के लोकरंजक कार्यक्रमों का आगाज हो गया। उत्सव मेवाड़-प्रदेश-देश-विदेश के लोक कला एवं संस्कृति प्रेमियों के भरपूर मनोरंजन के साथ ही लोक संस्कृतियों के विषय में ज्ञानवर्द्धन भी करेगा। समारोह के आरंभ में राज्यपाल बागडे ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और शिल्पग्राम परिसर का अवलोकन किया। गवर्नर सहित सभी अतिथियों ने लोक संस्कृति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देखी। राज्यपाल ने समारोह में डॉ. रूपसिंह शेखावत (भवाई लोक नृत्य) और गणपत सखाराम मसगे (कठपुतली एवं चित्रकला) को डॉ. कोमल कोठारी लाइफ टाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार प्रदान किया। उद्घाटन समारोह में ''रिद्म ऑफ इंडिया-म्यूजिकल सिंफनी'' में शामिल विभिन्न राज्यों के दो दर्जन से अधिक वाद्य यंत्रों पर 50 से ज्यादा कलाकारों की बजाई धुनों ने शिल्पग्राम का माहौल संगीतमय बना दिया और मुक्ताकाशी मंच पर मौजूद सैकड़ों दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। वहीं, 15 फोक डांस की ''कलर्स ऑफ इंडिया'' सामूहिक प्रस्तुति में 225 डांसर्स के सामूहिक डांस ने भी खूब समां बांधा।

वहीं ''हिवड़ा री हूक'' कार्यक्रम का रविवार से आगाज होगा। यह हूक प्रोग्राम 22 से 29 दिसंबर तक रोजाना दिन में 12 बजे से दोपहर 4 बजे तक चलेगा। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि ''हिवड़ा री हूक'' में प्रस्तुतियों के दौरान सांस्कृतिक प्रश्नोत्तरी यानी क्विज भी हर आर्ट लवर को खूब लुभाएगा। वहीं केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को शिल्पग्राम महोत्सव में आएंगे। वे दोपहर में शिल्पग्राम का दौरा करेंगे।

# चूरू में सीजन का पहला घना कोहरा छाया

**चूरू,** (निसं)। अंचल में कड़ाके की ठंड का शीतम लगातार जारी है। क्षेत्र में शनिवार को इस सीजन का पहला घना कोहरा छाया।

कोहरे के कारण लोगों की दैनिक दिनचर्या भी काफी प्रभावित हुई। शनिवार को न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री की गिरावट हुई। सुबह के समय सड़कों पर चलने वाले वाहन ड्राइवरों को हेडलाइट जलाकर गाड़ियां चलानी पड़ी। सर्दी से राहत पाने के लिए लोगों ने अलाव का सहारा लिया। सुबह के समय परीक्षा देने जाने वाले विद्यार्थियों को भी सर्दी से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

- शनिवार को न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री की गिरावट हुई

कड़ाके की सर्दी के बीच शनिवार को पारा अचानक लुढ़क गया। शुक्रवार की अपेक्षा शनिवार को न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री की गिरावट हुई है। सुबह दस बजे तक सूर्यदेव कोहरे की आगोश में रहे। वहीं सर्दी से राहत पाने के लिए लोग अलाव का सहारा लेते नजर आये। सर्दी के चलते चाय की दुकान पर लोगों की काफी भीड़ रही। सर्दी बढ़ने से अस्पतालों में भी सर्दी जुकाम और अस्थमा के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री दर्ज किया गया है।

## राशिफल रविवार 22 दिसम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र सोमवार प्रात: 9:09 तक, आयुष्मान योग सायं 7:00 तक, बव करण दिन 2:32 तक, चन्द्रमा दिन 12:56 से कन्या राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-धनु, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। त्रिपुष्कर योग दिन 2:32 तक है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर 8:33 से 9:51 तक, लाभ-अमृत 9:51 से 12:25 तक, शुभ 1:42 से 3:00 तक।

**राहूकाल:** 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:16, सूर्यास्त 5:34

**मेष**
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

**वृष**
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मिथुन**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

**कर्क**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात सुसंदेश प्राप्त होंगे।

**सिंह**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

**कन्या**
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

**तुला**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

**वृश्चिक**
अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

**धनु**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

**मकर**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

**कुंभ**
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

**मीन**
स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

## सार-समाचार

### करोड़ों की धोखाधड़ी, दो गिरफ्तार

**उदयपुर,(कासं)।** सुखेर थाना पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज से भूखण्ड बेच कर दो करोड़ की ठगी करवाने वाले मुख्य सरगना सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।प्रकरण के अनुसार प्रतापनगर पुलिस थाने में सवा उर्फ सवलिया पुत्र देवा भील निवासी ढीकली बोरा मगरा ने रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि मेरी ढिकली पटवार क्षैत्र में स्वयं के खते की जमीन है। जिस पर में काबिल होकर उसपयोग कर रहा हूं। 14 अक्टूबर 2024 को पटवार मंडल ढिकली से फोन आया कि आपे खोतेदारी की जमीन की रजिस्ट्री हो गई है तथा नामान्तरण देवप्रसाद कलासुआ निवासी खेरवाड़ा अपने नाम खुलवाना चाहता है। इसका एतराज कर कर प्रकरण दर्ज करवाया। पडताल कि तो देव प्रसाद कलासुआ जो कि कनक हॉस्पीटल के मालिक अमित धींग का खातेदार है । जिसे अमित ढींग द्वारा ही फर्जी एवं डमी खातेदार को लाकर अवैध रूप से अपने खातेदार देवप्रसाद कलासुआ के नाम पर जमीन की 27 अगस्त 2024 को रजिस्ट्री बडगांव पंजीयन कार्यालय में फर्जी खातेदार जरिये करवा ली तथा मेरे खाते में जबरन 25लाख रूपये जमा करवा दिए। देवप्रसाद कलासुआ व हुक्मीचंद ने 20 लाख रूपये का चैक डाल दिया जो अनादरित हो गया। इससे पूर्व आरोपी अमित ढींग ने पड़ोसी की जमीन देवप्रसाद के नाम रजिस्ट्री करवाई थी। छह माह पूर्व मैने प्रतापनगर पुलिस थाने में अपनी बैक पासबुक, आधारकार्ड, एटीएम कार्ड, पेन कार्ड गुम होने की रिपोर्ट देकर मेरे पौत्र हुक्मीचंद द्वारा भूमाफियाओं के साथ मिल कर जमीन बेचने का दबाव डाल रहे है। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने डबोक निवासी राजेश गमेती पुत्र गंगाराम गमेती निवासी तुलसीदासजी की सराय डबोक तथा दिनेश चन्द्र तेली पुत्र मोतीलाल निवासी शोभागपुरा सुखेर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों को पांच दिन के लिए पुलिस रिमाण्ड पर लिया है।

### बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु की शादी कल

**उदयपुर, (कासं)।** लेकसिटी में एक और रॉयल वेडिंग होने जा रही है। यह शादी बैडमिंटन स्टार ओलंपिक पदक विजेता पीवी सींधू की है। पीवी सिंधू रविवार को आईटी कारोबारी वेंकटदत्त साई के साथ उदयपुर के होटल राफेल्स में विवाह रचाएगी। इस शादी में सीमित लोग ही शामिल होंगे। जिनकी संख्या 140 है। उदयसागर झील में स्थित होटल राफेल्स में यह वेडिंग होनी है जिसके लिए 100 कमरे बुक किए गए। बेडमिंटन स्टार पीवी सिंधु की इस शादी के लिए शनिवार को उन्होंने होटल में ही प्री-वेडिंग शूट करवाया। दक्षिण भारतीय संस्कृति से हो रहे वैवाहिक आयोजनों में आज मेहंदी व संगीत सेरेमनी हुई जिसमें करीब दोस्त, रिश्तेदार व घर परिवार के लोग ही शामिल हुए। रविवार को होने वाले शादी में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, भारत के स्टार भाला फेंक एथलेटिक्स नीरज चौपड़ा, आलिया भट्ट सहित खेल जगत व राजनीतिक जगत से जुड़ी हस्तियां शामिल हो सकती है। हालांकि इनकी संभावना कम ही है क्योंकि शादी का रिसेप्शन गृह नगर हैदराबाद में 24 दिसम्बर को होगा जहां ये हस्तियां पहुंचेगी। पीवी सिंधु ने गत 14 दिसम्बर को साधारण फंक्शन कर सगाई की थी। शुक्रवार को वे परिवार के साथ उदयपुर पहुंची जहां उदयसागर झील स्थित होटल राफेल्स में उनकी शादी के आयोजन हो रहे है। रविवार को वे शादी करेगी। आज करीबी दोस्तों, रिश्तेदारों व घर-परिवार की मौजूदगी में मेहंदी व हल्दी व संगीत सेरेमनी के कार्यक्रम व रात को मेहमानों को डीनर दिया गया। सिंधु रविवार वे दक्षिण भारतीय रीति-रिवाज से विवाह करेगी। 22 दिसम्बर को विवाह के बाद वे पति व परिवार के साथ हैदराबाद लौटेगी जहां 24 दिसम्बर को ठांड रिसेप्शन होना है। पीवी सिंधु अपने फैमिली फ्रेण्डस आईटी कारोबारी वेंकटदत्त साई से शादी कर रही हैं। सिंधु की उनसे 10 साल पुरानी दोस्ती है और इस रिश्ते की शुरूआत एक फ्लाइट में मुलाकात के बाद हुई थी। पीवी सिंधु अपनी शादी में पीएम नरेंद्र मोदी, सचिन तेंदुलकरके अलावा तेलंगाना सीएम रेवन्थ रेड्डी, आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण सहित अन्य सेलिब्रिटी को निमंत्रित किया है। इन हस्तियों को अपनी शादी का निमंत्रण देने सिंधु खुद पहुंची थीं। हालांकि शादी का रिसेप्शन 24 दिसम्बर को गृहनगर हैदराबाद में ही होना है। जिसमें ये हस्तियां शामिल हो सकती है।

### पर्यावरण जनचेतना रैली निकाली

**राजसमंद, (निसं)।** जिला मुख्यालय स्थित बीएन पीजी गर्ल्स कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के पाँचवे दिन विश्व ध्यान दिवस पर कार्यशाला तथा पर्यावरण जन चेतना रैली का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ अपर्णा शर्मा ने बताया कि ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे मन-मस्तिष्क को शांति मिलती है और सुकुन का अहसास होता है। मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए विशेष रूप से ध्यान लगाया जाता है। साथ ही बताया कि बढते पर्यावरण प्रदूषण से विश्व को बचाने की हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उपाचार्य डॉ इन्द्रसिंह राठौड ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 दिसम्बर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया गया है, जिसमें भारत देश भी सह-प्रायोजक रहा है। सात दिवसीय केम्प के दौरान महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव भाणा में ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए स्वयं सेविकाओं द्वारा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनुसुया उपाध्याय ने बताया कि कार्यशाला की मुख्य वक्ता आर्ट ऑफ लिविंग राजसमन्द सदस्य रेखा जांगिड एवं सीमा जांगिड थी। मुख्य वक्ता रेखा जांगिड ने बताया कि ध्यान लगाने पर तनाव कम होने में मदद मिलती है। कार्यक्रम सह अधिकारी डॉ कमलेश पालीवाल ने कहा कि महाविद्यालय की 50 स्वयं सेविकाओं द्वारा गोद लिए गांव भाणा के लोगों को उनके घरों में जाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने के फायदे बताये।

### युवक ने की आत्महत्या

**उदयपुर, (कासं)।** शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखेर थाना क्षैत्र सापेटिया गांव निवासी पन्नालाल (29) पुत्र शंभूलाल गमेती ने खेत में पेड़ पर फांसी लगा ली। इसकी सूचना मिलने पर एसआई जयबाला ने मौके पर पहुंच कर मृतक को निचे उतार एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। इस पर एएसआई कन्हैयालाल पारगी ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौप दिया। पन्नालाल की गत दिनों से दिमागी हालत ठीक नहीं रहने से करीब 5-6 दिन पूर्व वह लापता हो गया था। जिसकी परिजन तलाश कर रहे थे। शनिवार को उसे पेड़ पर लटका होने की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर निचे उतारा था।

### उपचार के दौरान दम तोड़ा

**उदयपुर, (कासं)।** कुराबड़ थाना क्षैत्र गुडली गांव निवासी विष्णु कुमारी पुत्री लिम्बाजी मीणा की विषाक्त वस्तु सेवन करने से मौत हो गई। विष्णु कुमारी (10)अपने माता पिता के साथ थी। जहां माता पिता खेत में दवा का छिडकाव कर रहे थे। इस दौरान उसने दवा में हाथ डाल दिया था तथा कुछ समय बाद परिवार वालों के साथ खाना खा लिया था। खाने के बाद तबीयत खराब होने पर परिजन उसे कुराबड़ चिकित्सालय ले गए। जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

### राष्ट्रीय लोक अदालत आज

**बांसवाड़ा, (निसं)।** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आज रविवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष अरूण कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के लिये जिला मुख्यालय पर 5 बैंचों का गठन किया गया एवं तालुका स्तर पर 4 बैंचों कुशलगढ, घाटोल, गढी एवं बागीदौरा पर एक-एक बैंच गठित की गई है। प्राधिकरण सचिव पुरण सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौते से मामला निपटने पर कोई अपील नहीं होती वहीं मुकदमेबाजी से हमेशा के लिए छुटकारा मिलता है जिससे मुकदमा लडने में होने वाले समय, श्रम व धन की बचत होती है।

### छात्रों का विदाई दी

**उदयपुर, (कासं)।** पैसिफिक विवि के पेसिफिक होटल प्रबंधन महाविद्यालय में अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह रखा गया। महाविद्यालय के निदेशक विनोद कुमार सिंह भदोरिया ने सभी को संबोधित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की शुभकामना प्रदान करी साथ ही होटल में जो मुख्य आदतें है जो कि विद्यार्थियों को आगे बढाने के लिए प्रेरित करती है जैसे की व्यवहार, काम करने का तौर तरीका,गेस्ट सेटिस्फेक्शन,काम को खुश होकर करना ,आज्ञाकारी होकर काम करना है, आगे बढ़ने का जज्बा रखे आदि के बारे में बताया।

# युवती की हत्या कर तांत्रिक विद्या करने वाले तीन गिरफ्तार

**उदयपुर,(कासं)।** ऋषभदेव थाना पुलिस ने युवती का अपहरण कर तांत्रिक विद्या के लिए उसकी हत्या कर लाश को गाडने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 9 सितंबर 2022 को पीडित सुखलाल पुत्र देवीलाल मीणा निवासी उमगणा कोटडा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि मैं उदयपुर मण्डी में किराणा की दुकान पर काम करता हूं। गांव में मेरी मा पत्नी व लडका रहता है। पूर्व पत्नी का देहान्त हो गया है। संगीता मेरी दूसरी पत्नी है जिससे आठ वर्ष पूर्व नाता किया था। जिसके नुफते से तीन बच्चीयां है जिनमें सबसे छोटी चार माह की बच्ची है। 8 सितंबर रात में घर आए अज्ञात व्यक्ति मेरी पत्नी संगीता का अपहरण कर ले गए। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपअधीक्ष राजीव राहर के सुपरविजन में ऋषभदेव थानाधिकारी घनश्यामसिंह के नेतृत्व में एएसआई ईश्वरचंद, कांस्टेबल गोविन्द खराड़ी, दशरथसिंह मय टीम ने अनुसंधान कर आरोपी तांत्रिक महिला रोड़की पत्नी मानाराम अहारी निवासी भागल फला भौराई घाटा सेमारी सलूम्बर, कन्हैयालाल पुत्र सुखलाल अहारी निवासी उगमणा कोटड़ा फला माताजी ऋषभदेव, जीवा पुत्र भेरा अहारी निवासी घोडासार फला भणात सेमारी सलूम्बर को गिरफ्तार कर अनुसंधान शुरू किया। जिससे पता चला कि सुखलाल की पूर्व पत्नी का लडका कन्हैयालाल मीणा गांव की ही लडकी से शादी करने के कारण नहीं आता था। वह किसी तांत्रिक की तलाश में होकर उस पर संगीता का अपहरण करने की शंका व्यक्त की। इस पर उसे डिटेन कर पूछताछ की तो कन्हैयालाल ने तांत्रिक महिला रोड़की देवी एवं उसके वहां आने वाले जांत्री जीवा के संपर्क होने की जानकारी सामने आई। इस पर तीनों को डिटेन कर पूछताछ की तो उठा कर लाकर नदी किनाने जमीन में गाढना बताया। इस सूचना के आधार पर जिला कलक्टर सलूम्बर के आदेश से गोमती नदी किनारे खैरूवा थाना सेमारी पहुंच कर संगीता के ककाल को बाहर निकाल बरामद कर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा अंतिम संस्कार करवाया। अनुसंधान में पता चला कि सुखलाल की पत्नी की मृत्यु के बाद संगीता से नाता किया था। जिसकी पूर्व पत्नी से तीन लडके एवं दो लडकिया तथा सगीता से तीन लडकियां है। कन्हैयालाल का लडका बीमार रहता था एवं उसकी पत्नी एवं भाई अनिल की पत्नी भी बीमार रहती थी। इसके लिए ढाई वर्ष पूर्व तांत्रिक रोड़की देवी से संपर्क कर वहां आना जाना शुरू किया। जहां पत्नी के बीमार होने पर जीवा भी वहां आया करता जहां विजय से संपर्क हुआ। इस दौरान रोड़की ने कन्हैयालाल को दूसरी मां द्वारा तंत्र विद्या करने के कारण लडके के बीमार होने तथा घर नष्ट करने की बात बताई। इससे निजात के लिए उसकी हत्या कर गाढने की सलाल दी। इस पर कन्हैयालाल, रोड़की देवी ने साथियों के साथ राय मशविरा कर योजनानुसार गोमती नदी किनारे गड्डा चिन्हित किया। 8 सितंबर को विजय की गाडी में डाल कर संगीता को लेकर आए इस दौरान मुंह एवं गला दबा कर उसकी हत्या कर दी तथा गड्डे में डाल कर उपर मिट्टी डाल कर दबा दिया तथा तांत्रिक विद्या से पूजा पाठ किया। इससे पूर्व सभी ने अपने मोबाईल बंद कर दिए थे। दूसरे दिन कन्हैयालाल व उसका भाईअनिल दोनों पिता के साथ रिपोर्ट देने थाने पहुचे। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद गुजरात की तरफ चले गए थे। इस मामले में आरोपी अनिल पुत्र सुखलाल निवासी उगमणा कोटड़ा, विजय पुत्र शांतिलाल निवासी शक्तावतों का गुड़ा सेमारी, फुलबा पत्नी कन्हैयालाल मीणा निवासी उगमणा कोटड़ा, रेखा पत्नी जीवा मीणा निवासी घोडास फरार है। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

## जब्त वाहनों को किया जायेगा नीलाम

**उदयपुर, (कासं)।** नगर निगम अब सार्वजनिक स्थान या सड़क आदि पर खड़े पुराने वाहनों को अनुपयोगी और स्थाई अतिक्रमण मानते हुए जब्त करने की कार्रवाई करेगा, साथ ही लवकुश स्टेडियम के बाहर खड़े जब्त वाहनों को नीलाम भी किया जायेगा।

नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश में बताया कि कुछ समय पूर्व नगर निगम की भूमि लवकुश स्टेडियम के पास दो कार एवं एक मिनी बस द्वारा कबाड स्थिति में लम्बे समय से पार्किंग कर स्थाई अतिक्रमण किया गया था। वाहन मालिको से अपने वाहन निगम भूमि से तुरंत ही हटाने के निर्देश दिए। निर्देश के बावजुद वाहन मालिको ने अपने वाहन नहीं हटाये, जिस पर निगम पुलिस निरीक्षक मांगीलाल डांगी द्वारा 14 अक्टूबर को निगम भूमि पर खड़े वाहन को नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 245 के तहत जब्त किया गया। वाहन जब्ती के पश्चात निगम द्वारा कार व मिनी बस वाहन मालिको को धारा 245 नगर पालिका अधिनियम 2009 के तहत नोटिस जारी कर प्रति वाहन 30,000/- रूपये कम्पाउण्ड राशि जमा करा वाहन रिलीज कराने का नोटिस जारी किया गया। दोनों वाहन मालिकों द्वारा नोटिस की पालना में न ही कम्पाउण्ड राशि जमा कराई ओर न ही संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत किया।

# मूक पशुओं की सेवा सबसे बड़ी सेवा : राज्यपाल बागड़े

- **पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानिया में विकास कार्यों का किया शिलान्यास**

**उदयपुर, (कासं)।** राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा कि मूक पशुओं की सेवा सबसे बड़ी सेवा है। मनुष्य को शारीरिक कष्ट होने पर वह बोल कर चिकित्सक को अपनी पीडा बता सकता है, लेकिन पशु नहीं बोल सकते। पशु चिकित्सा सेवा से जुड़े कार्मिक व विद्यार्थियों के लिए यह कड़ी चुनौती है, फिर भी वे उनकी सेवा करते हैं, यह प्रशंसनीय और वंदनीय कार्य है।

राज्यपाल बागड़े शनिवार को उदयपुर जिले के वल्लभनगर क्षेत्र स्थित पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानिया में विकास कार्यों के शिलान्यास समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। बागड़े ने कहा कि राजस्थान में पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह ऐसा व्यवसाय है जिससे आम गरीब व्यक्ति जुड़ा हुआ है। राज्य सरकारें पशुपालन और डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित करती हैं। राज्यपाल ने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि वे भी कई सालों तक पशुपालन और दुग्ध उत्पाद संघ से जुड़े रहे। उन्होंने देसी नस्ल के पशुओं की प्रशंसा करते हुए उनके संवर्धन और संरक्षण पर जोर दिया। बागड़े ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि अब प्रतिस्पर्धा और विशेषज्ञता का युग है। पहले के दौर में सिर्फ पढ़ा लिखा होना पर्याप्त था, लेकिन अब इससे काम नहीं चल सकता। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे पूरी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करें और अपने विषय में विशेषज्ञता हासिल करें। इससे पूर्व राज्यपाल बागड़े ने महाविद्यालय में अतिथि गृह, महाविद्यालय की चारदीवारी तथा महाविद्यालय परिसर के शिव मंदिर से जोरजी का खेड़ा तक सड़क निर्माण कार्य का वर्चुअल शिलान्यास किया। साथ ही महाविद्यालय की पुस्तिका का विमोचन भी किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राजस्थान में मानव आबादी के बराबर लगभग साढे.7 करोड़ पशुधन है। राज्य सरकार पशुधन को स्वस्थ रखने के लिए चिकित्सा सुविधाओं में लगातार विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोबाइल वेटनरी यूनिट संचालित की है,जिससे पशुपालकों को घर बैठे बीमार पशुओं के उपचार की सुविधा मिल रही है। कार्यक्रम को चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने भी संबोधित किया। वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी भी बतौर अतिथि मंचासीन रहे। प्रारंभ में राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित व महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो बलवंत मेश्राम ने राज्यपाल बागड़े सहित अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत उद्‌बोधन देते हुए विवि के कुलपति दीक्षित ने विवि तथा महाविद्यालय की गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अभिषेक गौरव व डॉ ममता ने किया। आभार अभिष्ठाता डॉ बलवंत मेश्राम ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन दीपेंद्रसिंह राठौड़, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ शरद अरोड़ा, एनएससी एएनओ डॉ सनवीर खातुन, महाविद्यालय के डॉ टीकम गोयल, डॉ गोवर्द्धन, डॉ सुनील अरोड़ा, डॉ महेंद्र मील, डॉ तरूण प्रीत सहित अधिकारी-कर्मचारी, महाविद्यालय स्टॉफ, विद्यार्थीगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

# पिम्स में योग व ध्यान कार्यक्रम आयोजित

**उदयपुर, (कासं)।** साई तिरुपति युनिवर्सिटी के अधीन पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, उमरडा, उदयपुर में फिट इण्डिया वीक एवं वर्ल्ड मेडिटेसन डे का आयोजन किया गया।

वर्ल्ड मेडिटेसन डे एवं फिट इण्डिया वीक का उद्देश्य ध्यान के लाभों को बढावा देना और इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित करना था। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में इस विशेष दिन को बडे उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच ध्यान, योग और फिटनेस के लाभों का प्रचार करना, योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या में अपनाने के लिए प्रेरित करना। इस दौरान सामूहिक योग एवं फिटनेस सत्र आयोजित किये गये, जिसमें 300 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

योग प्रशिक्षक फार्माक्लोजी विभाग के प्रो. डॉ. चीतन दोसी, द्वारा योग एवं मेडिटेसन कराया गया जिसमें ध्यान के लाभों का परिचय दिया गया। 20 मिनट का निर्देशित ध्यान एवं 30 मिनट का प्राणायाम कराया गया। प्रतिभागियों ने ध्यान सत्र के बाद आराम, शांति और ऊर्जा का अनुभव महसूस किया। आयोजन ने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करते हुए पूरे पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस समुदाय को प्रेरित किया। फिट इण्डिया वीक एवं वर्ल्ड मेडिटेसन डे, पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था जिसने आत्म-देखभाल और जागरूकता की संस्कृति को बढावा दिया। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. सुरेश गोयल ने फिट इण्डिया वीक एवं वर्ल्ड मेडिटेसन डे के मुख्य उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में अधीक्षक डॉ. सरिता कांत एवं अकेडमिक डायरेक्टर डॉ. दिलीप कुमार पारिक भी उपस्थित रहे। फोरेंसिक मेडिसीन विभाग के प्रो. डॉ. प्रणव कुमार ने अतिथियों का स्वागत एवं संचालन करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

## पूछी कुशलक्षेम

**राजसमंद, (निसं)।** आयुर्वेद विभाग की ओर से आयोजित 10 दिवसीय नि:शुल्क अंतरंग शल्य एवं पंचकर्म चिकित्सा शिविर सेवन्त्री का विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड ने शनिवार को निरीक्षण किया और भर्ती मरीजों से कुशलक्षेम पूछी एवं साथ ही उन्होंने मरीजो को फल वितरित किए।

शल्य वार्ड भर्ती रोगियों ने उन्हे बताया की वह वर्षों से मस्सा-भगंदर के रोग से पीडित थे, लेकिन अब वह आयुर्वेदिक क्षार सूत्र शल्य क्रिया के बाद स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। पंचकर्म वार्ड में भर्ती रोगियों ने विधायक को बताया कि उन्हे घुटनों, कमर एवं शरीर के अन्य जोडो के रोगों में होने वाले दर्द में 7 दिन की पंचकर्म चिकित्सा से ही काफी आराम है। पंचकर्म प्रभारी डॉ विनोद सैनी ने बताया की भर्ती रोगियों की महुआ एवं आयुर्वेद की विशेष औषधीय के द्वारा बनाई गई पोटलियों के पत्रपिंडस्वेद से मालिश करके भाप स्वेदन चिकित्सा दी जा रही है।

# 'जनप्रतिनिधि व कार्मिकों के सामूहिक प्रयासों के साथ गांव को स्वच्छ बनाएं'

- **के.के. गुप्ता ने ग्राम पंचायत नरणिया का औचक निरीक्षण**

**डूंगरपुर, (निसं)।** स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राजस्थान सरकार में प्रदेश समन्वयक के के गुप्ता द्वारा शनिवार प्रात: पंचायत समिति दोवडा की ग्राम पंचायत पुनाली और रोल मॉडल के रूप में चयनित ग्राम पंचायत नरणिया का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पंचायत समिति अतिरिक्त विकास अधिकारी गिरीश कुमार कलाल सहित संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश समन्वयक गुप्ता ने यह भी जानकारी मांगी है कि दोनों ग्राम पंचायत के तालाब के जीर्णोद्धार और रखरखाव के लिए वर्तमान तक कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है? जिस पर अतिरिक्त विकास अधिकारी कलाल ने आगामी 2 दिन के भीतर संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। वहीं आगामी 25 दिसंबर तक दोनों तालाबों की समुचित साफ सफाई करने का भी आश्वासन दिया गया है।ग्राम पंचायत पुनाली में निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि गांव के तालाब में बहुत गंदगी फैली हुई है जिसको तुरंत ही साफ सफाई करने के निर्देश ग्राम विकास अधिकारी को दिए गए।

ग्राम पंचायत में सार्वजनिक स्थान और प्रमुख मार्गों पर भी गंदगी फैली हुई थी ग्राम पंचायत के संबंधित कार्मिक को यह भी स्पष्ट हिदायत दी गई थी कि गांव के प्रत्येक घर तक प्लास्टिक कैरी बैग संग्रहण के रूप में एक कट्टा (प्लास्टिक बैग) पहुंचाया जाए लेकिन धरातल पर वास्तविक स्थिति यह देखने को मिली कि यह संग्रहण कट्टा किसी भी घर तक नहीं पहुंचा है। इस पर समन्वयक गुप्ता ने अत्यंत नाराजगी जताते हुए संबंधित कार्मिक को निर्देश दिए कि आगामी 48 घंटे के भीतर पुनाली गांव के प्रत्येक घर में प्लास्टिक संग्रहण कट्टे पहुंचा दिए जाएं। गांव में कुछ जगह पर गीला और सूखा कचरा एक साथ एकत्र पडा हुआ दिखा तथा उसमें आग भी जला रखी थी जिस कारण पूरे गांव के वातावरण में प्रदूषण फैल रहा था।

इस संबंध में भी ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम स्वच्छता समन्वयक को इसकी पुनरावृत्ति नहीं होने की हिदायत दी गई।डूंगरपुर जिले की समस्त 12 पंचायत समिति में प्रत्येक पंचायत समिति में से एक-एक ग्राम पंचायत को रोल मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में चयनित किया गया है। जिसके तहत दोवडा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत नरणिया में भी प्रदेश समन्वयक गुप्ता द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। गांव में बने हुए एक तालाब के निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि तालाब की स्थिति बहुत ही बदहाल है तालाब में गंदगी फैली हुई है तथा इसके आसपास भी गंदगी का अंबार लगा हुआ है। पंचायत समिति अतिरिक्त विकास अधिकारी ने इस तालाब के संबंध में अवगत कराया कि पूर्व में भी तालाब के जीर्णोद्धार और साफ-सफाई के लिए बजट आवंटन किया गया था और संबंधित कार्यकारी एजेंसी द्वारा कार्य भी किया गया था। लेकिन इस तालाब की वर्तमान स्थिति को देखते हुए प्रदेश समन्वयक गुप्ता ने अत्यंत नाराजगी व्यक्त करते हुए यह दिशा निर्देश जारी किए हैं कि ग्राम पंचायत के जिम्मेदार कार्मिक के विरुद्ध पंचायती राज विभाग के उच्च अधिकारियों तक शिकायत पहुंचाई जाएगी और उनके विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक और दंडात्मक कार्यवाही किए जाने की अनुशंसा की जाएगी। दोनों ग्राम पंचायत के निरीक्षण के पूर्व स्वच्छ भारत मिशन प्रदेश समन्वयक गुप्ता द्वारा ग्राम पंचायत भवन में बैठक को संबोधित किया गया।

प्रदेश समन्वयक गुप्ता ने कहा कि ग्राम पंचायत के सभी जनप्रतिनिधि और कार्मिको के पारस्परिक सहयोग के साथ में हमारे गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच, उप सरपंच, वार्ड पंच, ग्राम विकास अधिकारी, कनिष्ठ सहायक, ग्राम व ब्लॉक स्वच्छता समन्वयक सहित सैकडो की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

# ललिता माली ने जीता बेस्ट स्टूडेंट का खिताब

**राजसमंद, (निसं)।** जिला मुख्यालय स्थित बीएन पीजी गर्ल्स कॉलेज के सांस्कृतिक कार्यक्रम मूमल के दूसरे दिन बेस्ट स्टूडेंट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। वर्षपर्यन्त आयोजित शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 5० छात्राओं का चयन किया जाता है, इनमें से प्रथम तीन बेस्ट स्टूडेंट का चयन वार्षिकोत्सव में किया गया। प्राचार्य डॉ अपर्णा शर्मा ने बेस्ट स्टूडेंट प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया। बेस्ट स्टूडेंट का खिताब महाविद्यालय की बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा ललिता माली को मिला तथा प्रथम रनर अप सुमन कुमावत एवं द्वितीय रनर अप वर्षा पालीवाल रही। उपाचार्य डॉ इन्द्रसिंह राठौड ने बताया कि मुख्य अतिथि कार्यवाहक अध्यक्ष वीपी सभा उदयपुर कर्नल (प्रो) शिवसिंह सारंगदेवोत एवं जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर वाइस चांसलर, विशिष्ट अतिथि बीएन संस्थान उदयपुर प्रबंध निदेशक मोहब्बतसिंह राठौड, संयुक्त मंत्री राजेन्द्रसिंह झाला, बीएन विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार डॉ निरंजन नारायणसिंह राठौड, बीएन पीजी कॉलेज राजसमन्द चेयरमेन कुलदीप सिंह चुण्डावत, कमलेश्वरसिंह सांगदेवोत, एडवोकेट देवेन्द्रसिंह राठौड, मण्डल अध्यक्ष कोठारिया हरदयाल सिंह चौहान, सम्पतनाथसिंह चौहान थे।


**कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द ( राज. )**
Email:-np_ntd@yahoo.in Phone.-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ./नामा./2024/14030 दिनांक : 17/12/2024

**-:आपत्ती सूचना:-**

एतर्थ् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/ नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/ नाम हस्तान्तरण में कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

| क्र. सं. | आवेदक का नाम व पता | आवेदित सम्पत्ति का पता | पड़ौस का विवरण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | पूर्व | पश्चिम | उत्तर | दक्षिण |
| 1 | श्रीमती सरोज कुंवर पत्नि श्री दिलीप सिंह | क्षैत्रफल-1060 वर्गफिट, भण्डारी बावडी के सामने लाल बाग, नाथद्वारा | रानी नर्स का मकान | राजेन्द्र जी का मकान प्लोट बी | 05 फीट गली | 20 फिट रोड |

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा



विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजित

**राज्य स्तरीय गाँधी शिल्प बाजार**

दिनांकः 22 दिसम्बर, 2024 से 31 दिसम्बर, 2024 तक
समयः सुबह 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक
स्थानः पी एमश्री राजकीय फतह उच्चमाध्यमिक विद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
देश के ख्याति प्राप्त शिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री में आप सादर आमंत्रित है
कलकत्ता की साड़ी, गुजराती पैच वर्क की चादरें, कारपेट, हैण्डलूम हैण्डीक्राफ्ट, सौन्दर्य उत्पाद, इंटीरियर्स
फर्नीचर, लहंगा, चुनरी, साड़ी व डिजाइनर सूट, लाख ज्वैलरी व कड़ा, कॉटन शर्ट व खादी कुर्ता, ड्राई फ्लावर, बेडशीट फर्नीचर इत्यादि।





आयोजकः- पाण्डेश्वर जन कल्याण संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.



एफएसएसएआई fssai भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण Food Safety and Standards Authority of India
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

**STARTING A FOOD BUSINESS?**
NOW YOU CAN OBTAIN
**FSSAI LICENSE / REGISTRATION INSTANTLY!!**

Who are eligible

- Wholesalers
- Distributors
- Retailers
- Transporters
- Storage without Atmospheric Control
- Food Vending Agencies
- Direct Sellers
- Importers
- Merchant-Exporters
- Petty Retailers
- Hawkers

Digital Verification through GST, AADHAAR & PAN

**HOW TO APPLY FOR INSTANT LICENSE / REGISTRATION?**

- Visit FoSCoS portal [https://foscos.fssai.gov.in]
- Click on 'Apply for Tatkal License/ Registration' tab on the homepage and follow the steps.

Scan the QR code below to view the video tutorial.



For more information:
Refer FSSAI Order dated 11-09-2024
For more information:
1800112100, helpdesk-foscos@fssai.gov.in

Don't Wait - Start Your Food Business Now!

fssaiindia fssai fssai_safefood fssaiindia fssai_india
cbc 17163/13/0012/2425

# दो सौ रुपये टोल मांगने पर तस्करों ने टोलकर्मियों पर फायरिंग की

## तस्करों ने बिना टोल दिए 120 किमी की रफ्तार में ट्रक को दौड़ा दिया

**पाली,** (निसं)। टोल देने की बात पर शनिवार को जाडन टोल नाके पर ट्रक चालक और टोलकर्मी में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि नशे में धुत्त ट्रक चालक ने टोलकर्मी पर पिस्टल से फायरिंग कर दी। फिर बिना टोल दिए 120 किमी की रफ्तार में ट्रक को दौड़ा दिया।

सूचना पर पुलिस पीछे लगी तो ट्रक चालक ने स्पीड बढ़ा दी। रास्ते में एक बस और आइसक्रीम के ठेले को टक्कर मारकर ट्रक चालक गाड़ी को जोधपुर बाइपास पर ले गए। बेकाबू ट्रक सड़क किनारे करीब पांच फीट का नाला पार कर झाड़ियों में फंस गया। पुलिस ने ट्रक सवार दोनों घायल युवकों को पकड़ लिया। इस दौरान जब ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें डोडा-पोस्त भरा हुआ था। मौके पर सीओ ग्रामीण रतनाराम देवासी, सदर थाना प्रभारी अनिल कुमार जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रक सवार दोनों युवक टोलकर्मी पर फायरिंग करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ट्रक चालक ने गाड़ी से रास्ते में एक बस और ठेले को टक्कर मार दी।

- बेकाबू ट्रक सड़क किनारे करीब पांच फीट का नाला पार कर झाड़ियों में फंस गया
- पुलिस ने ट्रक सवार दो घायल युवकों को पकड़ा, ट्रक में डोडा-पोस्त भरा हुआ मिला

**200 रुपए के टोल पर हुआ था विवाद :-** पुलिस की प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि दोनों आरोपी ट्रक लेकर जोधपुर सोजत से पाली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जाडन टोल नाके पर टोलकर्मी से 200 रुपए के टोल पर विवाद हो गया। ट्रक सवार दोनों युवकों ने केबिन से टोलकर्मी पर फायरिंग कर दी और बिना टोल दिए रवाना हो गए। हादसे में ट्रक सवार महेंद्र पुत्र बाबूलाल निवासी झवर (जोधपुर) और मोगड़ा (जोधपुर) निवासी राकेश पुत्र कालूराम घायल हो गए। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पुलिस को देखकर रफ्तार तेज कर दी। इस दौरान ट्रक करीब 120 किमी की रफ्तार से हाईवे पर दौड़ रहा था। इससे हाईवे पर अन्य वाहन चालकों में दहशत फैल गई। ट्रक ने पीछा कर रही पुलिस की बोलेरो को भी काफी पीछे छोड़ दिया था, लेकिन रफ्तार अधिक होने से ट्रक असंतुलित हो गया, जिससे वह बस और एक ठेले वाले को टक्कर मारने के बाद पुनायता औद्योगिक क्षेत्र में सड़क से नीचे उतरा और करीब पांच फीट चौड़े नाले को पारकर खाई व झाड़ियों में जाकर फंस गया। इसके बाद दोनों युवकों को पुलिस टीम ने बाहर निकाला। फिलहाल दोनों घायल युवकों का बांगड़ हॉस्पिटल में इलाज जारी है। पुलिस ने मामले में डोडा-पोस्त को लेकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही ट्रक के परमिट को लेकर भी पूछताछ की जा रही है।

चश्मदीद क्षतिग्रस्त हुए ट्रक चालक ने बताया कि तेज स्पीड में एक ट्रक मंडिया बाइपास से रूपवास रोड की तरह आ रहा था। इसी दौरान सवारियों से भरी बस आ रही थी, तो ट्रक चालक ने पहले यहां खड़ी ट्रक को चपेट में लिया और फिर बस में जा घुसा, जिसके चलते बस आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पीछे पुलिस वाले आ रहे थे। डर के मारे ट्रक चालक ने ट्रक को बैक लेते हुए पीछे खड़े आइसक्रीम के ठेले को टक्कर मारी, इसके बाद वह जोधपुर की तरफ भागने लगा।

# ब्याज वसूलने वाले लोगों से परेशान युवक ने आत्महत्या की

## युवक ने ब्लैकमेल करने वालों के नाम सहित सुसाइड नोट छोड़ा

**सादुलपुर,** (निसं)। राजगढ़ में पेनल्टी लगाकर ब्याज वसूलने वाले लोगों ने एक युवक को इतना ब्लैकमेल किया कि युवक ने चूरू-सादुलपुर रेल खंड पर ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह दर्ज मामले में युवक ने मौत को गले लगाने से पहले ब्लैकमेल करने वाला तीन युवक तथा एक महिला के नाम चार पेज का एक सुसाइड नोट छोड़ गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार सहित सैकड़ों लोगों ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की तथा शव लेने से इंकार कर दिया। दिनभर चले चले गतिरोध के बाद वार्डवासियों एवं पुलिस प्रशासन के साथ हुई वार्ता में पोस्टमार्टम करवाने की सहमति बनी। इसके बाद मामला शांत हुआ।

मृतक सुनील।

- कर्ज देने वालों की ओर से फोन पर धमकियां देने का ऑडियो भी वायरल

थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझड़िया ने बताया कि मामले में हनुमान प्रसाद पुत्र खेमाराम कुम्हार निवासी वार्ड नंबर-1 राजगढ़ ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसका पुत्र सुनील जिसने कुछ दिनों से भगत सिंह चौक पर सब्जी की दुकान कर रखी थी, जो 20 दिसंबर को घर से दुकान के लिए निकला था। शाम को घर वापस नहीं आया, जिसके बाद इधर-उधर पता किया तो उसका कोई पता नहीं लगा। उसके बाद राजगढ़ पुलिस थाने से पुलिस वालों ने उनके घर आकर सूचना दी कि आपका लड़का सुनील ट्रेन की पटरियों पर मृत मिला है। दर्ज मामले में बताया कि शनिवार को सुबह उन्होंने सुनील की दुकान को खोल कर देखा तो उसमें सुनील का लिखा हुआ एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें आरोपी अमित न्यांगली, सोनू निवासी राघा छोटी, अनवर खान तथा सरोज देवी का नाम लिखा हुआ है। दर्ज मामले में आरोप लगाया कि सुसाइड नोट में नामजद आरोपियों की धमकियों से परेशान होकर उसके पुत्र सुनील ने आत्महत्या कर ली।

दर्ज मामले में बताया कि आरोपियों ने उसके पुत्र को मोबाइल पर जान से मारने की बार-बार धमकी दी है। जिसकी फोन में रिकॉर्डिंग भी है तथा सुसाइड नोट में भी लिखा है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शव नहीं लेने की बात पर पीड़ित परिवार और लोग अड़े रहे। दो बार वार्ता भी विफल रही, बाद में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल तथा थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया के साथ पीड़ित परिवार और प्रमुख लोगों के बीच वार्ता में सहमति बनी। पुलिस ने तीन दिन में आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। इसके बाद पुलिस ने मृतक युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया।

# नाकाबंदी में बजरी भरा डंपर भागा, कट मारने से पुलिस की जीप पलटी

## हादसे में महिला सब इंस्पेक्टर और कांस्टेबल घायल, एम्स में भर्ती

**जोधपुर,** (कासं)। कमिश्नरेट के ग्रामीण इलाकों में अवैध रूप से बजरी का खनन जारी है। लगातार अवैध खनन के चलते जिला पश्चिम में पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाती रही है।

शनिवार की सुबह जिला पश्चिम की लूणी पुलिस ने नाकाबंदी कर अवैध बजरी डंपरों की धरपकड़ करनी चाही। तब एक अवैध बजरी से भरा डंपर भाग निकला और पुलिस द्वारा उसका पीछा किया गया। अवैध बजरी से भरे डंपर चालक ने पुलिस की जीप को कट मारा जिससे पुलिस की जीप पलटी खा गई। हादसे में सब इंस्पेक्टर और उसमें सवार कांस्टेबल बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एम्स अस्पताल में लाया गया है। दोपहर तक लूणी पुलिस अवैध बजरी डंपर की तलाश में जुटी रही। पुलिस ने टीमों का गठन का उसकी तलाश आरंभ की है। इस बारे में लूणी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

- पुलिस की तरफ से अवैध बजरी डंपरों की धरपकड़ के लिए शनिवार सुबह नाकाबंदी करवाई गई थी

घटना की जानकारी पुलिस के आलाधिकारी मौके के साथ अस्पताल पहुंचे और फीडबैक लिया।

थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि पुलिस की तरफ से अवैध बजरी डंपरों की धरपकड़ के लिए शनिवार सुबह नाकाबंदी करवाई गई थी। थाने की सब इंस्पेक्टर सुलोचना, कांस्टेबल बाबूलाल और अन्य स्टाफ था। एक अवैध बजरी से भरे डंपर के आने पर उसे रूकने का इशारा किया गया। मगर उसने गाड़ी नहीं रोकी और भटिण्डा गांव की सरहद में पहुंचने पर पुलिस की जीप को कट मार दिया, जिससे जीप अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। इससे सबइंस्पेक्टर सुलोचना और कांस्टेबल बाबूलाल घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एम्स अस्पताल भेजा गया। वहीं सड़क पर काफी खून भी फैल गया।

**सूचना पर पुलिस अधिकारी पहुंचे अस्पताल :-** इधर इस घटना के बाद पुलिस के आलाधिकारी मौका स्थल पर पहुंचने के साथ ही एम्स अस्पताल पहुंचे। घायल सब इंस्पेक्टर सुलोचना और कांस्टेबल बाबूलाल की कुशलक्षेम पूछी। डीसीपी वेस्ट राजर्षि राजवर्मा, एडीसीपी निशांत भारद्वाज, एसीपी बोरानाडा आनंदसिंह आदि भी पहुंचे और जानकारी ली।

## बाघिन टी- 84 का तीन शावकों के साथ मूवमेंट

**बौंली-बामनवास,** (निसं)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क के त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग किले के आसपास बाघिन टी- 84 का अपने तीन शावकों के साथ विचरण करते दिखी। शनिवार को देर शाम 7:45 पर रणथंभौर उपवन संरक्षक ने एक आदेश जारी कर 22 दिसंबर रविवार को त्रिनेत्र गणेश जी के आने वाले श्रद्धालुओं को उस मार्ग से आने-जाने को बंद कर दिया है। 21 दिसंबर शनिवार को श्रद्धालु जब गणेश मंदिर मार्ग की तरफ से दर्शन करके लौट रहे थे तो अचानक बाघिन टी-84 अपने शावकों के साथ रणथंभौर किले त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर आ गई। इसके तुरंत बाद वन विभाग कर्मचारियों ने उसको हल्ला करके वहां से कुछ आगे के लिए भेजा। उपवन संरक्षक डीएफओ ने 22 दिसंबर श्रद्धालुओं के गणेश मंदिर पर दर्शनार्थ रोक लगा दी है।

# आर्मी भर्ती रैली : परिचित को मेडिकल करवाने भेजा

## पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार किया, अब केस में होगा गिरफ्तार

**जोधपुर,** (कासं)। शहर में इन दिनों आर्मी भर्ती रैली का आयोजन चल रहा है। आर्मी भर्ती रैली में एक युवक दौड़ में सफल होने के बाद अपने एक परिचित को मेडिकल करवाने भेज दिया, मगर उसकी चोरी पकड़ी गई। इस पर अब नायब सूबेदार की तरफ से रातानाड़ा थाने में केस दर्ज करवाया गया है। युवक को पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार कर लिया। केस में अब गिरफ्तार किया जाएगा।

नायब सूबेदार मनोज कुमार की तरफ से दी गई रिपोर्ट में बताया कि इन दिनों आर्मी भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसमें एक युवक कुलदीप ने दौड़ कर ली थी, मगर उसने

- दौड़ में सफल होने के बाद एक युवक ने परिचित को मेडिकल कराने भेजा था

मेडिकल करवाने के लिए अपने एक परिचित युवक फलोदी जिले के मतोड़ा थानान्तर्गत पल्ली निवासी मुकेश पुत्र अणदाराम चौधरी को भेज दिया। 18 दिसम्बर को मिलिट्री अस्पताल में इनका मेडिकल चल रहा था। तब मुकेश पर संदेह होने पर पड़ताल की गई, इस पर वह पकड़ा गया। रातानाड़ा पुलिस ने बताया कि मुकेश को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

## बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत

**टोंक,** (निसं)। बनेठा थाना क्षेत्र में ककोड गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-116 पर शुक्रवार को रात्रि में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई तथा दूसरी बाइक सवार युवक घायल हो गया, जिसे सआदत चिकित्सालय टोंक में भर्ती कराया है। थानाधिकारी बनेठा रामगिलाल गुर्जर ने बताया कि ककोड गांव के पास पेट्रोल पम्प पर राजेश पुत्र हरिराम मीणा निवासी बालापुरा थाना नगरफोर्ट जो पेट्रोल भराकर अपने गांव बालापुरा जा रहा था, तभी वह दूसरी तरफ जाने के लिए डिवाईडर पार कर रहा था तभी दूसरी तरफ से आ रही मोटरसाइकिल सवार छीतर पुत्र प्रहलाद निवासी घाड की आमने-सामने भिडन्त हो गई। तेज रफ्तार होने से दोनों मोटरसाइकिल सवार घायल हो गये, जिन्हें सआदत चिकित्सालय टोंक में लाया गया, जहां राजेश ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया तथा घायल का उपचार जारी है।

# युवक ने फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी की

## युवक की जेब में मिला सुसाइड नोट, जिसमें लिखा कि मेरी मौत का जिम्मेदार में स्वयं हूं

**किशनगढ़बास,** (निसं)। नगर पालिका के वार्ड छह चर्च कॉलोनी में रहने वाले एक 22 वर्षीय युवक ने घर के अंदर कमरे में चुन्नी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फांसी लगाने से पहले युवक ने सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें उसने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को बताया। पुलिस खुदकुशी का मामला दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस थाना किशनगढ़बास ए एस आई शिवदयाल ने बताया कि शहर के वार्ड छह चर्च कॉलोनी निवासी विशाल पुत्र सुंदरलाल मेघवाल ने सुबह करीब ग्यारह बजे अपने ही घर में चुन्नी का फंदा डालकर खुदकुशी कर जान दे दी। घटना के समय घर में उसकी दादी बाहर

मृतक विशाल।

चेयर डालकर धूप में बैठी हुई थी एवं माता-पिता व भाई मजदूरी पर गए हुए थे। इस दौरान विशाल की मां घर पर आई तो उसने देखा विशाल कमरे के अंदर फंदे में लटका हुआ था मां के रोने पर आसपास के लोग व एडवोकेट भुवनेश तिवाड़ी वार्ड पार्षद मनीष लख्यानी मौके पर पहुंचे और पार्षद ने पुलिस को सूचना दी। पार्षद की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मृतक का शव फंदे से उतारकर कपड़े चेक किए। इस दौरान उसकी जेब से सुसाइड पत्र मिला। जिसमें उसने लिखा मेरी मौत का जिम्मेदार, मैं खुद हूं। मुझे कोई परेशान नहीं कर रहा था, किसी तरह का कोई मामला नहीं है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

## फव्वारे चोरी मामले में पांच गिरफ्तार

**मनोहरपुर,** (निसं)। थाना पुलिस ने फव्वारे चोरी करने के मामले में पांच जनों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजेंद्र यादव ने बताया कि दिनांक 3 जुलाई को कल्याणपुरा दूदी आमलोदा में मंगलराम पुत्र प्रभुदयाल बावरिया, फूलचन्द उर्फ राजवीर उर्फ राजू पुत्र बाबुलाल बावरिया, दिनेश कुमार मोगिया पुत्र गणेश मोगिया बावरिया, कालु मोगिया उर्फ मुकेश पुत्र बाबुलाल बावरिया, धर्मा उर्फ गुड्डी पुत्र बाबुलाल बावरिया को फव्वारा चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया।

## बजरी भरा ट्रक जब्त

**निवाई,** (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रक को जब्त करके चालक को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान नाकाबंदी थाना बरोनी पर अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रक को जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि चालक देवलाल गुर्जर निवासी कोलाडा थाना बौंली सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है।

# अपहरण कर फिरौती की मांग करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

**बून्दी,** (निसं)। अपहरण कर फिरौती की मांग करने वाले फरार आरोपी को बून्दी पुलिस ने बापर्दा गिरफ्तार किया गया, जबकि घटना में वांछित छह अपहरणकर्ताओं को पूर्व मे गिरफ्तार किया जा चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि थानाधिकारी थाना इन्द्रगढ़ के नेतृत्व में गठित टीम ने युवक का अपहरण कर फिरौती की मांग करने वाले फरार मुल्जिम अमन उर्फ लाला पुत्र अय्यूब खान को बापर्दा गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। उक्त मामले में यशवन्त केवट, अल्फेज उर्फ आलु, हिमांशु चतुर्वेदी, शादाब उर्फ मलंग, अशरफ उर्फ कालु, रईश पठान उर्फ राजा खान को पूर्व में गिरफ्तार व एक बालक को निरुद्ध किया जा चुका है।

इन्होंने बताया कि गिरफ्तारशुदा आरोपी अमन उर्फ लाला आपराधिक पृष्ठभुमि का है, जिस पर चोरी, अपहरण, फिरौती, हत्या का प्रयास, मारपीट, आर्म्स एक्ट आदि के 30 प्रकरण दर्ज है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि मामले में 4 अगस्त

फिरौती मांगने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने बापर्दा गिरफ्तार किया।

- घटना में वांछित छह अपहरणकर्ताओं को पूर्व मे गिरफ्तार किया जा चुका है

को बुढ नरवर थाना करवर निवासी चौथमल मीणा ने करवर थाने में अपने बेटे विकास मीणा का पांच व्यक्तियों द्वारा इन्द्रगढ़ से कार में अपहरण करके रुपयों की मांग करने की सूचना दी थी। फरियादी ने बताया था कि आरोपी पैसे नहीं देने पर जान से खत्म करने की धमकी दे रहे हैं।

सूचना पर गठित पुलिस टीम ने अपहृत की तलाश करते हुए अपहृत विकास मीणा निवासी बूढ करवर को दस्तयाब कर 6 अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार व एक विधि के विरुद्ध संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया जाकर घटना में प्रयुक्त वाहन कार को जब्त किया था।

# कार-बस की टक्कर में पति-पत्नी की मौत

**बीकानेर,** (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में नेशनल हाइवे पर कार-बस की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं दो घायल हो गए। घायलों को पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया।

हादसा श्रीडूंगरगढ़ से करीब 22 किलोमीटर दूर बीकानेर की तरफ हुआ है। हादसा कोहरे के कारण होना माना जा रहा है। हादसे में कार सवार अजय (30) पुत्र करतार सिंह और अजय की पत्नी ऋतु (28) की मौत हो गई है। वहीं अभिषेक (28) पुत्र सतवीर और उनकी पत्नी नचिता घायल हो गए। चारों हरियाणा के रहने वाले है और कार से बीकानेर आ रहे थे। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों गाड़ियों को मौके से हटाया।

झंझेऊ के पास हाइवे के पास ही काम कर रहे कृष्ण ने बताया उनका सोलर प्लांट व ट्यूबवेल है। वे ट्यूबवेल पर थे। आवाज सुनकर वे अपने साथियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। कार से लोगों को निकालकर अपनी कैंपर गाड़ी से हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने से दोनों वाहन चालक को सामने वाला वाहन नजर नहीं आया। ऐसे में आमने-सामने टक्कर हो गई। वाहन दिखने पर किनारे करने का प्रयास भी किया, लेकिन बस के कोने से कार टकरा गई।

- हरियाणा से बीकानेर आ रहे थे कार सवार दम्पती, कोहरे में आमने-सामने नहीं दिखे वाहन
- हादसे में दो जने घायल हो गए, पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया

# बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने वाली शिक्षा की जरूरत : बागडे

**उदयपुर,** (कासं)। कुलाधिपति एवं प्रदेश के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि टैस्ट बुक (पाठ्यक्रम) से डिग्री जरूर मिल जाएगी, लेकिन जीवन नहीं सुधरेगा। जीवन सुधारने के लिए बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ानी होगी और यह तभी संभव है जब विश्वविद्यालय के शिक्षक अपने मन-मस्तिष्क में समाया तमाम ज्ञान बच्चों में ट्रांसफर करें। राज्यपाल बागडे शनिवार को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि उदयपुर के अठारहवें दीक्षांत समारोह में उपाधियां, पदक व डिग्रियां प्रदान करने के बाद सदन को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि भारत ऋषि व कृषि प्रधान राष्ट्र है। देश आजाद हुआ तो 1950 में अमरीका से अनाज का आयात होता था, तब आबादी भी 40 करोड़ के भीतर थी। देश के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत के बूते आज 140 करोड की आबादी के बावजूद हम खाद्यान्न में आत्मनिर्भर है। दीक्षांत

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उपाधियां, पदक व डिग्रियां प्रदान की।

उद्बोधन देते हुए प्रख्यात वैज्ञानिक व असम कृषि विवि जोरहाट के पूर्व कुलपति डॉ. अमरनाथ मुखोपाध्याय ने कहा कि भारत ने तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, अंतरिक्ष और आईटी क्षेत्र में जबर्दस्त प्रगति हासिल की है। पिछले पांच दशकों में कृषि में अपूर्व वृद्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि मेरा जन्म स्वतंत्रता पूर्व 1940 में हुआ और मैंने बचपन में गरीबी, खाद्यान्न की कमी और बहु-पोषण को खूब जनदीक से देखा है। हम अब चावल, गेहूं, सब्जी, फल, चाय और चीनी का निर्यात कर रहे हैं। आरंभ में एमपीयूएटी के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने विवि में विगत एक वर्ष की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रदेश की कृषि शिक्षण व्यवस्था, शोध, प्रसार व उद्यमिता विकास को आगे ले जाने के लिए हमारा विवि कटिबद्ध है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अकादमिक वर्ष 2023-24 में उत्तीर्ण 938 स्नातक, 181 निष्णात व 62 विद्यावाचस्पति अभ्यर्थियों को दीक्षा प्रदान की। तदुपरांत राज्यपाल ने विद्यावाचस्पति अभ्यर्थियों तथा विभिन्न संकायों के प्रतिभावान योग्य 42 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए।

- महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर का अठारहवां दीक्षांत समारोह आयोजित

इस अवसर पर ए वितोली चिशी, निष्णात (कृषि अभियांत्रिकी) प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी को चांसलर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इससे पूर्व विवि परिसर स्थित विवेकानन्द सभागार, डेयरी व खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सामने कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने राज्यपाल की आगवानी की तथा एन.सी.सी. कैडेट ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्वागत के उपरांत राज्यपाल एकेडमिक प्रोसेशन के साथ सभागार में पहुंचे। कुलाधिपति ने 1181 उपाधि प्राप्तकर्ताओं को दीक्षा, उपाधियां तथा पदक प्रदान किए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की विगत दो वर्षों में अर्जित उपलब्धियों तथा नेतृत्व द्वारा दिए गए प्रेरक व दूरदर्शी व्याख्यानों पर आधारित दो प्रकाशनों का राज्यपाल ने विमोचन किया। कार्यक्रम का विधिवत समापन राज्यपाल की घोषणा से हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, पूर्व कुलपति, प्रबंध मंडल व अकादमिक परिषद के सदस्यगण मौजूद रहे।

समारोह में उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत, बेगू विधायक सुरेश धाकड़, सुविवि की कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा, विद्यापीठ विवि के कुलपति प्रो. सारंगदेवोत, कुलसचिव सुधाशु सिंह, एमपीयूएटी के पूर्व कुलपति डॉ. एस.एल. मेहता, डॉ. उमाशंकर शर्मा, एसओसी मेम्बर, डीन, डायरेक्टर, समारोह समन्वयक डॉ. लोकेश गुप्ता एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. राम हरि मीणा उपस्थित थे। संचालन विशाखा बंसल ने किया।

**टॉप** क्रम रन नहीं बनाता है तो निचले क्रम पर दबाव बन जाता है। इस टेस्ट में टॉप क्रम और मध्यक्रम अच्छे रन बनाएगा। हमें टॉप क्रम से अच्छे प्रदर्शन की जरूरत है।

**- रविन्द्र जड़ेजा**

भारतीय क्रिकेट ऑलराउण्डर, भारत के टॉप क्रम को लेकर बोलते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

**रवि शास्त्री**

**आस्ट्रेलिया** के धाकड़ बल्लेबाज ट्रेविस हेड को भारत के लिये सरदर्द बताते हुये पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि रोहित एंड कंपनी को ट्रेविस नामक सरदर्द के इलाज को खोजना होगा। शास्त्री ने कहा भारत ट्रेविस नामक 'सरदर्द' के लिए 'बॉम' की तलाश कर रहा है। रोहित एंड कंपनी को जल्द ही ट्रेविस नामक सरदर्द का इलाज खोजना होगा। गौरतलब है कि बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में आग उगल रहे ट्रेविस हेड के बल्ले का तोड़ अब तक टीम इंडिया नहीं खोज सकी है।

**क्या आप जानते हैं ?...** वर्ष 1949 में इंग्लैण्ड ने 44 मिनट में 174 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को हराया।

## अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी - राजस्थान ने बिहार को 7 विकेट से हराया

जयपुर, 21 दिसम्बर। त्रिवेंद्रम में खेली जा रही बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी के आज राजस्थान - बिहार के मध्य खेले गए मैच में राजस्थान ने बिहार को 7 विकेट से हराया। बिहार पारी 176 आल आउट, टीम के लिए अंकुश 48 व आर्यन 45 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा 21/3, दीपेंद्र सिंह 25/2, महेंद्र महला 39/2, आयुष अमेरिया14/1 व विशाल 43/1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पारी179/3, टीम के लिए करण लाम्बा नाबाद 82, सचिन यादव 42 व आयुष अमेरिया नाबाद 18 रनो का योगदान देते हुए टीम को 7 विकेट से जीत दिलाई।

## हॉकी इंडियन लीग में जलवा बिखरने के लिये तैयार देश दुनिया के दिग्गज

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। देश दुनिया के हॉकी दिग्गज 28 दिसंबर से राउरकेली में शुरु हो रही हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में अपना जलवा दिखाने के लिये तैयार हैं। सात साल के लंबे इंतजार के बाद हो रही इस बहुप्रतीक्षित लीग में भारत और विदेश से शीर्ष स्तरीय प्रतिभाएं चार चांद लगायेंगी। हॉकी इंडिया के मिशन के हिस्से के रूप में, उद्घाटन समारोह और लीग के सभी मैचों के टिकट पूरी तरह से मुफ्त होंगे। प्रशंसक टिकटजेनी के माध्यम से आसानी से अपने टिकट सुरक्षित कर सकते हैं और स्टेडियम में रोमांच का लुफ्त उठा सकते हैं। मैचों का सजीव प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क में कई भाषाओं में किया जाएगा। इसके अलावा ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव और वेव्स पर मैचों की स्ट्रीमिंग की जायेगी। उदघाटन समारोह में बॉलीवुड स्टार सारा अली खान और लोकप्रिय संगीत कलाकार श्यामक डावर अपनी परफार्मेंश देंगे। उदघाटन मुकाबला 28 दिसंबर को गोनासिका और दिल्ली एसजी पाइपर्स के बीच खेला जायेगा।

## विष्णु सरवनन ने एशियन ओपन चैंपियनशिप में जीता कांस्य

हांइकोउ (चीन) 21 दिसंबर। भारत के विष्णु सरवनन ने एशियन ओपन चैंपियनशिप 2024 नौकायन प्रतियोगिता में पुरुषों की डिंगी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया है। दो बार के ओलंपियन और हांगझोऊ एशियाई खेल 2023 के कांस्य पदक विजेता विष्णु सरवनन ने खराब सेहत के बावजूद अपनी 10 रेसों से 36 नेट कुल अंक हासिल किए और फील्ड ऑफ 47 में तीसरे स्थान पर रहे। मलेशिया के खैरुलनिजाम अफेंडी ने कुल 28 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि हांगकांग चीन के निकोलस हॉलिडे ने 30 अंकों के साथ रजत पदक जीता। विष्णु सरवनन ने सीरीज ऑफ 10 की फाइनल रेस जीती, जबकि रेस पांच में वह 16वें स्थान पर रहे जो कि उनका सबसे खराब प्रदर्शन था। फारुख तारापोर के बाद इस साल विष्णु सरवनन एक से ज्यादा ओलंपिक खेलों में सेलिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में हिस्सा लिया है। एक अन्य भारतीय ओलंपियन, नेत्रा कुमानन, हाइकोउ में महिलाओं की डिंगी स्पर्धा में कुल 77 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहीं।

# बॉक्सिंग डे टेस्ट में शुभमन गिल की होगी अग्निपरीक्षा

### // एशिया के बाहर आंकड़े निराशाजनक //

मेलबर्न 21 दिसंबर। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के शुरुआती तीन मैच खेले जा चुके हैं। पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट भारत ने जीता जबकि उसके बाद एडिलेड टेस्ट में उसे हार झेलनी पड़ी तो गाबा टेस्ट ड्रॉ रहा।

वहीं भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में अभी तक फेल रहे हैं, वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। साथ ही टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल की फॉर्म भी टीम के लिए चिंता का विषय बन गई है, आखकर एशिया के बाहर उनके आंकड़े मायूस करते हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी कुछ ही मैचों में भारत के लिए टेस्ट में खेलते हुए नजर आएंगे। जिसके बाद शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों पर टीम को संभालने की जिम्मेदारी होगी। गिल में सभी को भविष्य की झलक दिखती है और यही कारम है कि उन्हें टीम में लगातार मौके मिलते रहते

हैं। लेकिन 2022 के बाद से एशिया के बाहर उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। गिल ने 2021 ब्रिसबेन टेस्ट के बाद से 16 पारियों में 17.80 की औसत से 267 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 36 रन रहा है। 2021 में गिल ने 146 गेंदों में 91 रन की दमदार पारी खेली थी लेकिन उसके बाद से उनके बल्ले से रन नहीं निकले हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल भारत के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन तीन पारियों में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट गिल ने नहीं खेला था। लेकिन दूसरे टेस्ट में वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे और सिर्फ 59 रन ही बना सके। पहली पारी में 31 औऱ दूसरी पारी में उन्होंने 28 रन ही बनाए।

## बीसीसीआई के सचिव, कोषाध्यक्ष के लिए चुनाव की तारीख घोषित

मुंबई, 21 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिव और कोषाध्यक्ष के रिक्त पदों के लिए शनिवार को चुनाव की घोषणा कर दी। बोर्ड ने बताया कि 12 जनवरी 2025 को मुंबई में एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) आयोजित की जाएगी, जिसका प्राथमिक एजेंडा नए पदाधिकारियों का चुनाव होगा।

यह चुनाव बीसीसीआई सचिव जय शाह के इस्तीफे के कारण हो रहे हैं जिन्होने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। इसी तरह, कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने के बाद पद छोड़ दिया था।

शाह के इस्तीफे के बाद देवजीत सैकिया को बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने अंतरिम सचिव नियुक्त किया था जबकि कोषाध्यक्ष की भूमिका के लिए कोई अंतरिम नियुक्ति नहीं की गई है।

बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी एके जोती के अनुसार दोनो पदों के चुनाव के लिये नामांकन तीन और चार जनवरी, 2025 को स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच छह जनवरी को होगी और उम्मीदवार सात जनवरी तक नाम वापस ले सकते हैं। उम्मीदवारों की अंतिम सूची सात जनवरी को शाम पांच बजे घोषित की जाएगी। चुनाव और परिणाम 12 जनवरी को निर्धारित किए जाएंगे।

# ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ी मैकस्वीनी का करियर बुमराह ने किया खत्म? कहा- मैं टूट चुका हूं...

मेलबर्न 21 दिसंबर। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू करने वाले ऑस्ट्रेलियाई युवा बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को आखिरी दो टेस्ट मैचों से बाहर कर दिया गया है। जिसके बाद अब मैकस्वीनी का दर्द छलका है। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया है कि अब वह टूट चुके हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वह कड़ी मेहनत करके दोबारा टीम में जगह बनाएंगे। बता दें कि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मैकस्वीनी के खराब प्रदर्शन के बाद उनकी जगह युवा सैम कोंटास को बचे दो मुकाबलों में जगह दी है।

मैकस्वीनी ने कहा कि, हां मैं टूट चुका हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा सपना सच हुआ लेकिन उस तरह से नहीं, जैसे मैं चाहता था। लेकिन खेल में ऐसा होता है। मैं कड़ी मेहनत करके अगले मौके के लिए खुद को तैयार करूंगा। 25 वर्षीय मैकस्वीनी ने पर्थ में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया लेकिन पिछली 6 पारियों में उनका स्कोर 10, 0, 39, नाबाद 10, 9 और 4 रहा। उन्हें सीरीज में चार बार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आउट किया।

मैकस्वीनी ने कहा कि, क्रिकेट में ऐसा

ही है। मौका मिलने पर अच्छा नहीं खेलते हैं तो आपकी जगह सुनिश्चित नहीं है। मैं चूक गया लेकिन अब फिर से मेहनत करके टीम में दोबारा जगह बनाउंगा।

## उपमुख्यमंत्री व खेल मंत्री ने सुशीला मीणा से फोन पर बातचीत कर शुभकामनाएँ दी

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान के प्रतापगढ जिले के छोटे से गांव रामेर तालाब पिपलिया की रहने वाली 12 वर्ष की सुशीला पांचवीं कक्षा की छात्रा है और क्रिकेट की शौकीन है। उनका गेंदबाजी एक्शन खासकर गेंद फेंकने से पहले कूदना जहीर की गेंदबाजी शैली की याद दिलाता है। तेंदुलकर और जहीर के बीच सोशल मीडिया की इस बातचीत पर अब तक लाखों व्यूज आ चुके हैं, सुशीला मीणा के बांलिग एक्शन की सचिन तेंदुलकर ने तारीफ़ की थी और इसे ज़हीर ख़ान जैसा एक्शन बताया था। और कारपोरेट जगत से सुशीला की ट्रेनिंग के लिये मदद का प्रस्ताव भी आया है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज राजस्थान की होनहार और प्रतिभाशाली बेटी सुशीला मीणा से फोन पर बातचीत कर उनके खेल और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि राजस्थान सरकार सुशीला को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी, ताकि वह अपने सपनों को साकार कर राजस्थान और देश का नाम गौरवान्वित कर सके। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रतापगढ़ की नवोदित क्रिकेटर सुशीला मीणा से विडियो कॉल पर बात की। उपमुख्यमंत्री ने उनके उज्जवल भविष्य के शुभकामनाएँ दी और जयपुर आने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सुशीला मीणा के स्कूल के मैदान, जहाँ वे प्रैक्टिस करती है, उसे सुविधा सम्पन्न बनाया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने खेल क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। खेल इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर देने की रणनीति ने देशभर में खेल प्रतिभाओं को निखारने का मार्ग प्रशस्त किया है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बेटी सुशीला ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से जो मुकाम हासिल किया है, वह सभी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनका उत्साह और जज़्बा इस बात का प्रमाण है कि यदि अवसर और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, तो हमारे देश की बेटियां भी वैश्विक स्तर पर भारत का मान बढ़ा सकती हैं। राजस्थान सरकार खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से हर युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्यारी बिटिया सुशीला को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, आपका समर्पण और खेलभावना राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

## मुश्किल में फंसे रॉबिन उथप्पा, अरेस्ट वारंट जारी

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। पूर्व भारतीय क्रिकेट रॉबिन उथप्पा बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं। दरअसल, ईपीएफओ धोखाधड़ी मामले में उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी हुआ है। रॉबिन उथप्पा पर सेंचुरी लाइफस्टाइल ब्रांड-प्राइवेट लिमिटेड का प्रबंधन करते समय कर्मचारियों के वेतन से 23 लाख की कटौती करने उनके भविष्य निधि योगदान को जमा करने में फेल रहने के आरोप हैं।

कहा जा रहा है कि दिसंबर की शुरुआत में उथप्पा के खिलाफ वारंट जारी कर दिया गया था लेकिन वह अपने घर पर नहीं थे जिस कारण से वह वापस कर दिया गया। वारंट पीएफ रिजनल कमिश्नर शदाक्षरी गोपाल रेड्डी द्वारा जारी किया गया था, जिन्होंने कर्नाटक में पुलकेशिनगर पुलिस क्षेत्राधिकार को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा है। अधिकारियों ने कहा कि, 4 दिसंबर को जारी किया गया वारंट वापस कर दिया गया है क्योंकि उथप्पा पुलकेशिनगर निवास पर नहीं पाए गए थे।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और उनका परिवार कथित तौर पर दुबई में रहता है। वारंट में कहा गया है कि बकाया राशि का भुगतान न करने के कारण कार्यालय प्रभावित कर्मचारियों के पीएफ खातों का निपटान नहीं कर पाया। इसने पुलिस को रॉबिन उथप्पा को गिरफ्तार करने और 27 दिसंबर तक वारंट वापस करने का निर्देश दिया।

## भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के

बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी। हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं।

**अखिल भारतीय सिविल सेवा लॉन टेनिस प्रतियोगिता का हुआ समापन**

## नवीन महाजन और जगदीश तंवर की जोड़ी ने जीता गोल्ड

जयपुर, 21 दिसंबर। जयपुर में पिछले 6 दिन से चल रही अखिल भारतीय सिविल सेवा लॉन टेनिस प्रतियोगिता का समापन शनिवार को हुआ।

कार्मिक विभाग शासन सचिवालय जयपुर की वरिष्ठ खेल अधिकारी मालती चौहान ने बताया कि जय क्लब में खेले गए वेटरन डबल्स श्रेणी के फाइनल मुकाबले में राजस्थान के आईएएस नवीन महाजन और जगदीश तंवर की जोड़ी ने राजस्थान के ही लक्ष्मीकांत तंवर और गुरदर्शन सिंह की जोड़ी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 8- 2 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच के चेयर अंपायर चित्तौड़गढ़ के शारीरिक शिक्षक उज्जवल दाधीच रहे। दूसरी ओर वेटरन सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में जगदीश तंवर ने अपना

उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गुजरात के जयेश कुमार को 8- 0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। हार्ड लाइन मैच में यूपी के राकेश कुमार ने कर्नाटक के प्रकाश को हराकर कांस्य पदक जीता। एकल स्पर्धा में प्रथम द्वितीय स्थान क्रमशः मनीष सुरेश कुमार,उदित कांबोज ने प्राप्त किया। बिष्णु चरण मालिक द्वारा विजेताओं को मेडल पहनाया गया।

## दिग्गज रेसलर रे मिस्टेरियो ने दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। मैक्सिकन कुश्ती के स्टार रहे रे मिस्टेरियो सीनियर ने 66 वर्षीय की उम्र में अंतिम सांस ली है। इस दिग्गज के निधन रेसलिंग जगत में शोक का माहौल है। रे मिस्टेरियो सीनियर डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार रे मिस्टेरियो जूनियर के अंकल थे।

वह पहली बार मेक्सिको में लूचा ब्रिके के एक बाग में प्रमुखता से आए थे। रे मिस्टेरियो सीनियर ने वर्ल्ड रेसलिंग एसोसिएशन और लूटा लिब्रे एएए वर्ल्ड वाइड समेत कई संगठनों के साथ टाइटल अपने नाम किये थे। रे मिस्टेरियो सीनियर कद में भले ही छोटे थे, लेकिन वह बहुत ही तेज तर्रार फाइटर थे। वह रिंग में दिग्गजों को टक्कर देते नजर आते थे। दिग्गजों के लिए भी रे मिस्टेरियो सीनियर को हराना आसान नहीं होता था। उनके लड़ने की तकनीक बेहद शानदार थी।

**राजधानी**

# जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस हाईवे पर जहां ब्लास्ट हुआ, वहां से अब भी यू-टर्न ले रहे टैंकर-ट्रक

### शुक्रवार सुबह इसी जगह पर एल.पी.जी. गैस के टैंकर और ट्रक की भिंड़त से ब्लास्ट हुआ था

**-कार्यालय संवाददाता-**

**जयपुर** । अजमेर-जयपुर एक्सप्रेस हाईवे पर शुक्रवार सुबह जिस रोड कट पर एलपीजी गैस से भरे टैंकर और ट्रक की भिंडत हुई, वहां से अब भी पेट्रोल-डीजल से भरे टैंकर और ट्रक यू-टर्न लेते दिख रहे हैं। शुक्रवार सुबह हुए इस हादसे में अब तक 14 लोगों की जान जा चुकी है, आग से झुलसे करीब 30-35 लोग अब भी जिंदगी-मौत के बीच जूझ रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस-प्रशासन की लापरवाही

- **इस हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी, 30-35 लोग घायल हैं, इसके बावजूद पुलिस-प्रशासन की लापरवाही बरकरार**

बरकरार है। इस रोड कट को बंद करने अथवा यहां से ट्रक व टैंकरों के यू-टर्न रोकने के बजाय जिम्मेदार हाथ पर हाथ धरे बैठे है। ऐसे में अब भी यहां गाड़ियों के टकराने का खतरा बना हुआ है।

शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे यहां भीषण हादसा हुआ था, लेकिन शनिवार सुबह उसी समय पर ट्रैफिक नॉर्मल दिन की तरह दिखा। हादसे से बेफिक्र लोग यहां पर गलत तरीके से ओवरटेक, ओवरस्पीड व नियमों की धज्जियां उडाते हुए नजर आए। एक्सपर्ट्स की मानें तो जिस जगह पर हादसा हुआ है, वहां रोड इंजीनियरिंग में भारी कमी है। अगर, समय रहते सुधार नहीं किया गया तो यहां पर और बड़ी घटनाएं हो सकती हैं। हाईवे पर एकाएक कट बनाने की जरूरत नहीं थी। रिंग रोड पर ही कर्व बना कर दूसरी ओर ट्रैफिक निकाला जा सकता था। चौराहे पर हाई मास्क लाइट नहीं लगी हुई है, इस कारण चौराहा होने का दूर से पता नहीं चलता है।

चूकिं सर्दी के दिनों में कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम हो जाती है। ऐसे में कट पर किसी भी प्रकार के रेडियम, रिफ्लेक्टर, सिग्नल, मार्कर नहीं हैं। बाहरी राज्यों से या दूसरे जिले से आने वाले वाहन चालक इस कट को दूर से देख ही नहीं पाते। इसलिए वह अपनी रफ्तार से इस पर निकलने लगते हैं और टर्न ले रहे वाहनों से टकरा जाते है। चौराहे पर बनाए गए कट और रोड की चौड़ाई काफी कम है। इसमें अगर कोई बड़ा ट्रक जैसे कंटेनर, गैस टैंकर निकल रहा है तो वह दोनों ओर की सड़क ब्लॉक कर देता है। संभवतया हादसे की ये वजह हो सकती है। चौराहे के आसपास स्कूल, पेट्रोल पंप हैं उसके बाद भी किसी भी प्रकार का बोर्ड एनएचएआई ने मौके पर नहीं लगाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार इस कट पर पुलिसकर्मियों भी ड्यूटी रहती है, लेकिन वे केवल वीवीआई लोगों को निकालने का काम करते है।

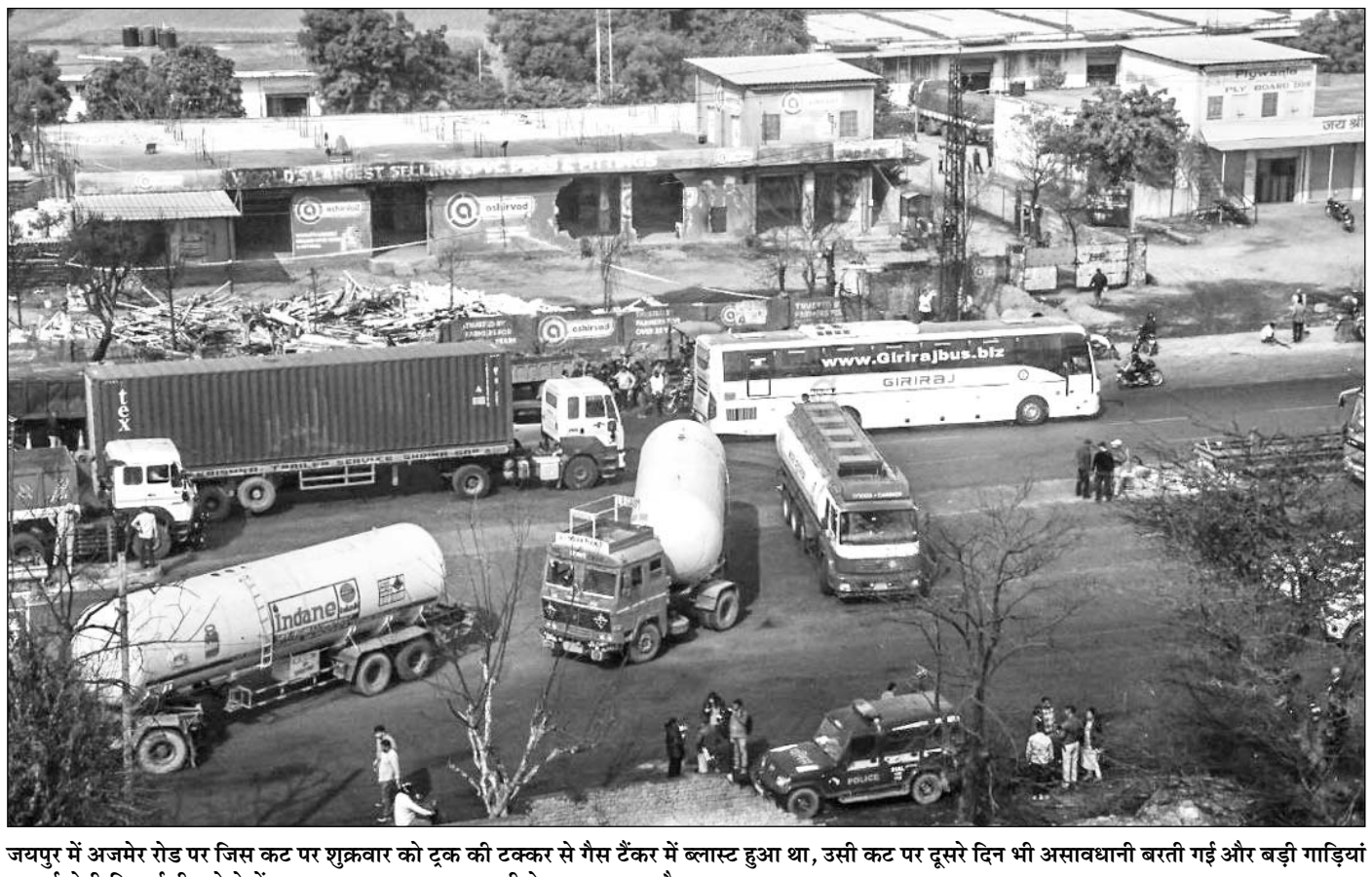


**जयपुर में अजमेर रोड पर जिस कट पर शुक्रवार को ट्रक की टक्कर से गैस टैंकर में ब्लास्ट हुआ था, उसी कट पर दूसरे दिन भी असावधानी बरती गई और बड़ी गाड़ियां यू-टर्न लेती दिखाई दी। फोटो में कल हुए ब्लास्ट का मलबा भी देखा जा सकता है।**

## संसद में कांग्रेस नेताओं का किया कृत्य अक्षम्य : शेखावत

**जयपुर।** केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संसद में दो दिन पहले घटे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने जो आचरण किया, वो अनवांटेड (अनावश्यक), अनएक्सपेक्टेड (अप्रत्याशित), अनडिजाइअर्ड (अवांछित) और अनएक्सपेक्टबल (अनपेक्षित) है। वो किसी भी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत में जब लोकतंत्र 75 वर्ष का हो गया है, तब इस तरह का कृत्य अक्षम्य है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत शनिवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। शुक्रवार सुबह अजमेर रोड पर भांकरोटा में घटी दुर्घटना पर उन्होंने गहरा दु:ख जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण, दर्दनाक, दु:खद और कभी न भुलाने वाली है। जो पीड़ित हैं, अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं, भगवान उनके दु:खों को दूर करें। उन्हें शीघ्र ही स्वस्थ करें। जो लोग चले गए हैं, उनके परिजनों को धीरज प्रदान करें। शेखावत ने कहा कि हम सब मिलकर ऐसा हादसा दोबारा ना हो, इसके लिए जो भी कदम उठाए जाने हैं, उन सब कदमों पर काम कर रहे हैं।

अगले माह से प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ मेले को लेकर पूछे सवाल पर शेखावत ने कहा कि प्रयागराज में विश्व का सबसे बड़ा मानवों का एकत्रीकरण होगा। ऐसा अनुमान है कि 45 दिन के महाकुंभ में 45 करोड़ से ज्यादा लोग आएंगे। चीन और भारत को छोड़कर इतनी आबादी दुनिया के किसी देश में नहीं है, जितने लोगों का एकत्रीकरण मेले में होगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर उत्तर प्रदेश और भारत सरकार, दोनों मिलकर काम कर रही हैं। देश-विदेश से आने वाले लोग एक भारत, श्रेष्ठ भारत का अनुभव करें, इसके लिए हम सब काम कर रहे हैं।

# 'रोगी व परिजनों को रजिस्ट्रेशन के लिए लाइन में खड़ा नहीं रहना पड़े'

**राजसमंद**, (निसं)। उच्च रोगीभार वाले चिकित्सा संस्थाओं में दूर से आने वाले रोगी एवं उनके परिजनों को रजिस्ट्रेशन के लिए लाइन में खडा न रहना पडे इसके लिए आवश्यकतानुसार रजिस्ट्रेशन काउन्टर में वृद्धि करने तथा विभिन्न जांचो के परिणामों के लिये आमजन को इंतजार नही करना पडे इसके लिए दिन में दो बार परिणामो की व्यवस्था तथा संस्थान पर ही अधिकतम जांचो की व्यवस्था सुनिश्चित हो इसके लिए ऑनलाईन ट्रेकिंग व्यवस्था शिघ्र लागु करें। यह निर्देश जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए।

■ रोगियों की सुविधा के लिए चिकित्सा संस्थान हरसंभव उपाय सुनिश्चित करें : कलक्टर असावा

उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारीयों को निर्देशित किया कि वें आमजन को किस प्रकार अपने चिकित्सा संस्थानो में अधिकतम सुविधाएं एवं राहत दे सकें इसके लिए नवाचार करें तथा नवाचार के लिए आवश्यक संसाधनो के लिए जिला प्रशासन को बताएं जिससे हम व्यवस्थाओं की सुदृढीकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही कर सकें। उन्होंने उपजिला चिकित्सालय भीम में ओपीडी की तुलना में कम जांच को गम्भीरता से लिया तथा सीएमएचओ को आवश्यक कार्यवाही के लिये निर्देशित किया। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी आरके जिला चिकित्सालय, प्रमुख जिला चिकित्सालय नाथद्वारा व भीम को दिन में दो बार सुबह 11 से 11:3० बजे के मध्य तथा दोपहर 2 बजे जांच परिणामों की सुविधा देने के लिये निर्देशित किया जिससे आमजन को जांच परिणामो के लिये इंतजार नही करना पडे। उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की समीक्षा के दौरान उपजिला चिकित्सालय भीम, सीएचसी खमनोर, केलवाडा व आमेट में कम टीआईडी जनरेशन को लेकर चेताया तथा पात्र परिवारों को योजना से लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने मां वाउचर योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारीयों से निरन्तर मोनिटरिंग के लिये निर्देशित किया तथा लाभार्थियों से भी फिड बैक लेने के लिए निर्देशित किया, जिससे लाभार्थी गर्भवती महिलाओं को योजना का पूरा लाभ मिले। उन्होंने आरके जिला चिकित्सालय के तीसरी बार राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानको को पूरा करने पर हर्ष व्यक्त किया तथा आमजन को हित में निरंतर कार्य करने के लिये प्रेरीत किया। इससे पूर्व सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने पूर्व बैठक की अनुपालना रिपोर्ट से अवगत करवाया तथा सभी चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत आमजन को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के लिये निर्देशित किया। बैठक में जिला नोडल अधिकारी नि:शुल्क दवा एवं जांच योजना डॉ अनिल जैन ने योजनाओं की समीक्षा के लिए प्रस्तुतीकरण दिया। सीएमएचओ ने 100 दिवसीय टीबी कैंपेन को लेकर नेशनल टीम द्वारा दिये गये सकारात्मक फिड बैक को लेकर सभी चिकित्सा अधिकारीयों को बधाई दी। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुरेश मीणा ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सैक्टरवार गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, प्रसव पूर्व जांच एवं संस्थागत प्रसव को लेकर विस्तार से समीक्षा की तथा चिकित्सा अधिकारीयों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आशा से निरंतर संवाद एवं मोनिटरिंग के लिए निर्देशित किया। डिप्टी सीएमएचओ डॉ नरेन्द्र कुमार यादव ने परिवार कल्याण कार्यक्रम, डिप्टी सीएमएचओ हैल्थ डॉ नवीन कुमार जांगिड ने संचारी एवं गैर संचारी रोगों की वस्तुस्थिती की जानकारी दी तथा रिपोर्टिंग को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

## पाण्डाल का निर्माण प्रारम्भ

**कपासन**, (निसं)। प्रयागराज (उ.प्र.) में बारह वर्ष बाद आयोजित होने वाले महाकुम्भ में सांवलिया धाम आश्रम, मुंगाणा के संस्थापक श्री श्री 1008 श्री चेतनदासजी महाराज के पावन सानिध्य में मेला-क्षेत्र में सन्तों और भक्तों की सेवा हेतु प्रायोजित होने वाले मीरा मेवाड खालसे का अस्थायी निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है। खालसे में विभिन्न प्रकल्पों के संचालन के लिए भव्य पाण्डाल निर्माण करने के लिए पच्चीस कुशल कारीगरों का दल खालसे के अधिकारी महन्त श्री रामसागरदासजी महाराज (हमीरगढ) वे महामंत्री ज्योतिषरत्न श्री इंद्रमल जी चौधरी के निर्देशन में रात-दिन काम में लगे हुए हैं । गंगा-पट्टी में लगने वाले वैरागी-कैम्प में सेक्टर 18 के पुराने जी.टी. रोड पर अन्नपूर्णा-मार्ग के मुहाने पर झूंसी गांव की तरफ से मेला-क्षेत्र में प्रवेश करने पर दांयी लाईन में पहला प्लोट इन दिनों लोगों के आकर्षण का केन्द्र बनता जा रहा है । यहां निर्मित हो रहे विभिन्न अखाड़ों में मीरा मेवाड़ खालसे की भव्यता अपने-आप में विलक्षण प्रतीत हो रही है। महन्त मुरलीदासे, रतनदासजी, जगदीशदास सहित मुंगाणा आश्रम से जुड़े कई भक्त यहां कई दिनों से अपनी सेवा दे रहे हैं।

# लबाना बस्ती में एक रात में टूटे तीन घरों के ताले

**डूंगरपुर,** (निसं)। जिले के बिछीवाडा थाना क्षेत्र लबाना बस्ती में देर रात को तीन मकानों को चोरों ने निशाना साधते हुए लाखों रुपए के सोने चांदी के आभूषण चुरा कर ले गए। चोरों ने तीन भाइयों के मकानों को चोरी के वारदात को अंजाम दिया है। पीडित भाइयों ने बिछीवाडा थाने में रिपोर्ट देकर मामला दर्ज करवाई है पुलिस चोरो के तलाश में जूट गई है।

■ लाखों के सोने चांदी के जेवरात पर हाथ साफ, बिछीवाड़ा थाने में मामला दर्ज

प्राप्त जानकारी अनुसार बिछीवाडा के लबाना बस्ती में रहने वाले हरीश पुत्र नारायण लबाना रिपोर्ट देकर बताया उसके सहित कुल पांच भाई है। इसमें तीन भाइयों के घर को चोरो ने निशाना साधते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरो ने नरसिंह लबाना, मोहनलाल लबाना, हरीश लबाना घर के ताले तोड कर अलमारी और बिस्तर पेटी लॉकर के ताले तोडकर अंदर रखे लाखों रुपए के सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। चोरों ने चौथे भाई पन्नालाल लबाना के घर में चोरी का प्रयास कर तोला तोड दिया, लेकिन दरवाजे कुंडी मूड जाने की वजह से दरवाजा खूल नहीं पाने से चोरी होने से बच गई है। चोरों ने हरीश लबाना के घर करीब 16 लाख रुपए के सोने के आभूषण चोरी कर ले गए। चोरो ने 16 लाख 20 हजार कीमत के 18 तोला सोना, वहीं चोरों ने नरसिंह लबाना के घर से साढे तीन लाख रुपए के सोने चांदी के आभूषण हाथ साफ कर दिया। नरसिंह लबाना के घर से चोरों ने सवा दो लाख रुपए की कीमत की ढाई किलो चांदी और सवा लाख के डेढ तोला सोना चोरी कर लिया। तीसरे भाई मोहनलाल लबाना के घर चोरो ने 5० हजार नकद और करीब 45 हजार रुपए की आधा किलो चांदी चुरा कर ले गए। चोरों ने घर का सारा सामान बिखर के रख दिया। वहीं घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में तोड दिए। सुबह घर में पहुंचने से चोरी की वारदात को बारे में पता चला। पीडित हरीश लबाना ने बताया कि उसकी बेटी की शादी होने से करीब 16 लाख 2० हजार का 18 तोला सोना खरीदा था जिसे चोर चुरा के ले गए।

## वैवाहिक परिणय सूत्र का महत्व बताया

**डूंगरपुर**, (निसं)। सनातन धर्म समिति डूंगरपुर द्वारा आहूत भागवत ज्ञान गंगा के छठें दिन यजमान रमेश वरयानी, मदनलाल शर्मा, जयेश मकात एवं देवेंद्र कलाल द्वारा पोथी पूजन कर श्रीमद् भागवत की आरती उतारी।

सनातन धर्म समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, महामंत्री मुकेश श्रीमाल और सचिव भूपेश शर्मा द्वारा कथा में अतिरिक्त सहयोग करने वाले मदनलाल शर्मा और अनिल जोशी का पगडी और शाल से स्वागत किया। भागवत ज्ञान गंगा के छठें सौपान पर कथा व्यास श्रीराधे वृंदावन ने ब्रिज भाषा में कृष्ण रुक्मणि प्रसंग पर विस्तार से प्रवचन कर वैवाहिक परिणय सूत्र का महत्व बताया। कथा में कृष्ण की लीलाओं गोलोकधाम लीला, मथुरा की माधुर्य लीला, वृंदावन की नटखट,ममता भरी, वात्सल्य और प्रेम की कृष्ण लीलाओं पर ब्रिज भाषा में प्रसंग प्रस्तुत किए। साथ ब्रिज की रास और भजनों के माध्यम से श्री कृष्ण, राधा के दर्शन करवाए। जो व्यक्ति प्रतिदिन गोपी गीत का गायन करता हैं ठाकुर जी उसके हृदय में बिराजमान होते हैं। जो भगवान को निस्वार्थ भाव से प्रेम करता हैं।

## रक्तदान किया

**बांसवाड़ा,** (निसं)। बीपीवीएम के जिला प्रचारक आनंद सिंगाडा ने राजकीय महात्मा गांधी चिकित्सालय में जरूरतमंद के लिये रक्तदान कर अन्यों को भी प्रेरित किया।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता राहुल भूरिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर गांगडतलाई क्षेत्र के गडुली निवासी अनिल पुत्र महेंद्र निनामा को ऑपरेशन के दौरान रक्त की आवश्यकता की जानकारी मिलने पर बीपीवीएम के जिला प्रचारक सिंगाडा ने महात्मा गांधी चिकित्सालय में पहुंचकर रक्तदान किया। इस अवसर पर बीपीवीएम प्रदेश संयोजक रविन्द्र बरजोड, अश्विन मुनिया ने सहयोग प्रदान किया।

# छात्रों को वैदिक गणित के बारे में जानकारी दी

**डूंगरपुर,** (निसं)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय ठाकरडा में भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवासन रामानुजन के जन्म दिवस के अवसर पर गणित सप्ताह के आयोजन में आमंत्रित वैदिक गणित प्रचारक रघुवीर सिंह सोलंकी ने पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को वैदिक गणित के बारे में जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करते हुए रघुवीर सोलंकी ने गणित के जटिल से जटिल गणनाओं को वैदिक गणित के सूत्रों से पलभर में हल करना सिखाया। ज्ञातव्य हो कि यह सत्र छात्रों को गणित के जटिल और समय लेने वाले तरीकों को सरल, तेज और सटीक तरीके से हल करने के लिए वैदिक गणित की विधियों से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

## प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर की चर्चा

**राजसमंद,** (निसं)। राज माली सेवा संस्थान राजसमंद की साधारण सभा की बैठक शनिवार को नगर परिषद सभा भवन में आहुत की गई। जिलाध्यक्ष एडवोकेट बीएल माली ने बताया कि बैठक में एजेंडा वाइज प्रस्तावों पर निर्णय हुआ। जिसमें मुख्य रूप से 29 दिसम्बर को जिला संस्थान के तत्वाधान में धोईंदा स्थित समाज को आंवटित भूमी परिसर में आयोजित होने वाले मेवाड स्तरीय प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श हुआ तथा कार्यक्रम की व्यवस्थाओ को लेकर उप समितियां का गठन कर पदाधकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। माली ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक दीप्ति माहेश्वरी, विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्य मंत्री सुनील परिहार जोधपुर, नगर परिषद सभापति अशोक टांक सहित अन्य अतिथि शिरकत करेंगे। समारोह में मेवाड के चारो जिले राजसमंद, चितौडगढ, भीलवाडा, उदयपुर के समाज के अध्यक्ष सहित राज माली समाज के समाजजन शामिल होंगे। कार्यक्रम में कक्षा 10 वीं-12वीं से लेकर उच्च शिक्षा तक की प्रतिभाओं में लगभग 200 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में मुख्य अतिथि बारह खेडा के पूर्व अध्यक्ष बद्रीलाल भोई, विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष हरिशंकर भोई, जिला संस्थान उपाध्यक्ष लालूराम माली, सचिव मांगीलाल भोई, कोषाध्यक्ष सीए राजेंद्र माली ने आयोजन के अलावा समाज विकास को लेकर विस्तार से जानकारी दी। जिलाध्यक्ष एडवोकेट बीएल माली ने प्रतिभा सम्मान समारोह में अधिक से अधिक समाजजनों को पधारने की अपील की।

## सार-समाचार

### अवैध हीरे व नगदी के साथ 3 गिरफ्तार

**बांसवाड़ा,** (निसं)। गढी थाना पुलिस ने नाकेबंदी के दौरान बस में सवार तीन लोगों से लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के अवैध हीरे व 77 हजार 370 रुपये की नगदी बरामद की है। थानाधिकारी रोहित कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशानुसार एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज, वृत्ताधिकारी गढी सुदर्शन पालीवाल के निकटतम सुपरविजन में थाने के सामने नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान हैड कांस्टेबल थाना कोतवाली महीपाल सिंह से प्राप्त सूचना के आधार पर बांसवाडा से हिम्मतनगर जाने वाली चामुंडा ट्रेवल्य की बस में सवार तीन संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर तलाशी ली गयी तो उनके कब्जे से 220.350 कैरेट हीरे व 77 हजार 370 रुपये की नगदी बरामद हुई। इन हीरों की बाजार कीमत लगभग 1.5 करोड रुपये है। इन तीनों ने अपने नाम दीपक परमार पुत्र मगन निवासी परमारवास वार्ड नंबर 2 थाना ईडर जिला साबरकाटा गुजरात, नवदीप पुत्र नरसी भाई निवासी कृष्ण नगर थाना कृष्ण नगर जिला अहमदाबाद व सचिन पुत्र जसवंत दर्जी मकवाना निवासी ईडर थाना हिम्मतनगर जिला सावरकाटा गुजरात होना बताया। तीनों के पास हीरे व नगदी के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं होने से हीरे व नगदी जब्त की गयी वहीं तीनों को शांति भंग में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अवैध हीरे चोरी का माल होने की जानकारी मिली। 10 दिसम्बर को महाराष्टकृ के पुलिस थाना गोरेगांव में किरण रतिलाल रोकानी निवासी कांदीपली पूर्व ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके कंपनी के ऑफिस से 1 करोड 47 लाख 53 हजार रुपये के हीरे चोरी हो गये हैं। गोरेगांव पुलिस आरोपी तथा माल की तलाशी कर रही है। गढी थाना पुलिस ने इस संबंध में गोरेगांव पुलिस थाने को सूचित किया है। गोरेगांव की टीम अग्रीम अनुसंधान कर रही है।

### बालिकाओं को साइकिल वितरित की

**डूंगरपुर**, (निसं)। राज्य सरकार की नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत इन दिनों जिले भर में कक्षा नवमी में अध्ययनरत बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिलें वितरित की जा रही हैं। सरकार द्वारा दी जा रही इन साइकिलों को पाकर बालिकाओं में अभूतपूर्व खुशी देखी जा सकती है। इसके तहत ब्लॉक के 'राउमावि सुरपुर' में शनिवार को उप प्रधानाचार्य गौतमी खराडी की अध्यक्षता में कक्षा नवमी की 15 बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिलें वितरित की गई। इस दौरान प्रभारी स्वाति जैन, लोकेश कुमार कलाल, कौशिक यादव, ज्योति रावल, रंजना मीणा, संतोष लोहार, संगीता साद, सांत्वना जोशी, सुनील जोशी, जितेश पण्ड्या, मिथिलेश राठौड, भारती साद, कामिनी पण्ड्या, नरेश कुमार द्विवेदी, आरती मेणात समेत अन्य मौजूद रहे।'राउमावि पीपलादा' में सरपंच सूर्या देवी कलासुआ, उप प्रधान गुलाबसिंह चौहान, शिक्षाविद् डूंगर लाल प्रजापति, प्रधानाचार्या प्रज्ञा चौबीसा, अनुज कुमार, पंकज कुमार पंड्या एवं प्यारेलाल रोत की मौजूदगी में कक्षा नवमी की 27 बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिलें वितरित की गई।'राउमावि कांकरादरा' में सरपंच ईश्वरलाल कोटेडए उपसरपंच गटूलाल डामोर व प्रधानाचार्य लालशंकर बरंडा की मौजूदगी में कक्षा नवमी की बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिलें वितरित की गई। इस मौके पर प्रथम सहायक सुभाषचंद्र खराडी, साइकिल वितरण प्रभारी अनिता पंड्या, एसडीएमसी सदस्य लक्ष्मण लाल मनात एवं अभिभावक मौजूद रहे।'राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेरवाडा' में कक्षा नवमी में अध्ययनरत 17 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलें वितरित की गई। कार्यक्रम प्रधानाचार्य विश्वास कुमार पंड्या की अध्यक्षता, संगीता कटारा के मुख्य आतिथ्य एवं समाज सेवी गणेश कटारा व छबीलाल पंड्या के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। इस मौके पर कार्यक्रम प्रभारी महिपाल बरंडा, लियाकत कुरैशी, सुखलाल मीणा, रमेशचन्द्र कटारा, नरेन्द्र सिंह चौहान, नागेन्द्र सिंह चौहान, सूरजमल रोत, आशा मीणा, हरिश्चन्द्र कलासुआ मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन धनेश्वर हडात ने किया। ममता परमार ने आभार जताया।'राउमावि बिलडी' में शनिवार को कक्षा नवमी की 43 बालिकाओं को नि:शुल्क साईकिलें वितरित की गई।

# ममता को मिला पालनहार योजना का लाभ

**डूंगरपुर,** (निसं)। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के निर्देशानुसार डूंगरपुर जिले में राजस्थान सम्पर्क सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों व राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का निस्तारण किया गया। शनिवार को राजकीय अवकाश के दिन भी सभी पंचायत समिति मुख्यालयों पर सुबह 11 से 2 बजे तक शिविर लगाकर आमजन को राहत प्रदान की गई। इस दौरान राजस्व रिकॉर्ड में शुद्धि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पालनहार योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, अपार आईडी, पेंशन सत्यापन, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित काम हाथोंहाथ किए गए।

■ प्रशासन गांव के संग शिविरों में मिली राहत

पिता की मृत्यु के बाद मां नाते चली गई, तो ममता की देखभाल की सारी जिम्मेदारी उसके दादा, दादी पर आ गई। लेकिन दादा-दादी की भी माली हालत ठीक नहीं है। कभी मजदूरी करके तो कभी खेती बाडी करके जीवन गुजार रहे है। उनके पास ममता की पढाई और परवरिश के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है। ममता के दादा उपखण्ड कार्यालय चिखली पहुंचे तो उपखण्ड अधिकारी मनसुख राम डामोर, तहसीलदार सुंदरलाल कटारा ने ममता के दादा मणीलाल को प्रमाण-पत्र जारी किया। उपखण्ड अधिकारी चिखली मनसुख राम डामोर ने बताया कि ममता के दादा मणीलाल व दादी चम्पाडी ने राज्य सरकार का आभार जताया। अब ममता के पढाई-लिखाई और परवरिश का भार उसके दादा-दादी पर नहीं रहेगा। ममता की परवरिश के लिए प्रति माह 15०० रूपए उसके दादा मणीलाल को मिलेंगे।

हाथों-हाथ राजस्व रिकॉर्ड में शुद्धि

पंचायत समिति डूंगरपुर के मलय पण्ड्या की भूमि के राजस्व रिकॉर्ड में जाति व पता गलत अंकित होने पर परिवाद प्रस्तुत किया गया। तहसीलदार डूंगरपुर द्वारा तत्काल ही मौके पर भू-अभिलेख निरीक्षक, पटवारी हल्का से रिकॉर्ड तलब किया गया तथा रिकॉर्ड की जांच की गई तथा गत जमाबंदी एवं वर्तमान जमाबंदी का अवलोकन किया गया। जिसके अनुसार परिवादी द्वारा बताए गए तथ्यों को राजस्व रिकॉर्ड में शुद्वि योग्य पाया गया। तत्काल आदेश जारी कर पटवारी हल्का राजपुर को शुद्वि प्रकरण तैयार करने आदेशित किया गया एवं राजस्थान भू-अभिलेख नियमावली 1957 के नियम 166 के अन्तर्गत शुद्वि आदेश जारी कर राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद करने के लिए पटवारी को पाबंद किया गया। इस पर तत्काल ही पटवारी हल्का राजपुर द्वारा राजस्व रिकॉर्ड में ऑनलाइन नामान्तकरण दर्ज कर लिया गया है।

श्री वीरम पिता नाथा निवासी दोवडा ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत दूसरी किश्त के लिए शनिवार को ही शिविर में आवेदन किया। शिविर में ही प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किश्त जारी करने की कार्यवाही की गई। वहीं, डूंगरपुर पंचायत समिति के ग्राम कांकरादरा निवासी श्रीमती दुर्गा ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत भवन निर्माण की दूसरी किश्त के लिए आवेदन किया। इस पर हाथोंहाथ 45००० रूपये का एफ टीओ जारी किया गया। इसी प्रकार पीठ निवासी सूरज देवी ने बताया कि विधवा पेंशन का पीपीओ में खाता नंबर बदलने के लिए आवेदन किया। इस पर पीपीओ में खाता संख्या बदलकर वार्षिक सत्यापन भी किया गया।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वी.सी.) के माध्यम से जिला कलैक्टरों की एक बैठक ली। जिसमें बजट घोषणा के विकास कार्यों के लिए भू-आवंटन के प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए।*

# 'दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर शीघ्र सुधारें'

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने कलेक्टरों को वी.सी. से भू आवंटन प्रकरण 31 दिसम्बर तक निपटाने के निर्देश दिये

■ **वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये सभी जिला कलैक्टरों को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि राइज़िंग राजस्थान समिट में हुए एम.ओ.यू. को धरातल पर उतारने के लिये संबंधित विभागों के साथ समन्वय बना कर काम करें।**

जयपुर, 21 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वाहन दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सड़कों के दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर इनका शीघ्र सुधार किया जाना आवश्यक है। सभी जिलों में ब्लैक स्पॉट्स को ठीक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों में निर्धारित मानकों का पालन किया जाए। साथ ही, सभी जिलों में परिवहन विभाग के उड़नदस्ते, अनफिट एवं बिना परमिट के वाहनों तथा ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ सघन कार्रवाई करें। इसके अलावा, यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के लिए विशेष रूप से जागरूकता अभियान भी चलाया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वी.सी.) के माध्यम से जिला कलैक्टरों के साथ आयोजित बैठक में लंबित भू-आवंटन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बजट घोषणा की अनुपालना में स्पोर्ट्स कॉलेज, रोडवेज बस स्टैण्ड, जीएसएस एवं ठोस कचरा प्रबंधन के लिए प्रोसेसिंग प्लांट एवं मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर, औद्योगिक पार्क इत्यादि विकास कार्यों के लिए भू-आवंटन के प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अन्तर्गत, ब्लॉक कार्यालय एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के नवीन सहायक अभियंता कार्यालय के लिए भू-आंवटन की भी समीक्षा की।

शर्मा ने कहा कि बजट घोषणा की अनुपालना में जयपुर में विकसित की जाने वाली हाईटेक सिटी राज्य सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस संबंध में उद्योग विभाग, राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर कार्यवाही की जाए। इसके तहत, विशेष रूप से सड़क कनेक्टिविटी, पानी-बिजली सहित आधारभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित, विभिन्न विभागों के प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव उपस्थित रहे एवं समस्त जिला कलैक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं से संबंधित भू-आवंटन के शेष प्रकरणों का त्वरित निष्पादन करने के निर्देश दिए। उन्होंने 31 दिसम्बर तक की अवधि में प्रकरणों के भूमि चिन्हीकरण तथा चिन्हित भूमि के प्रस्ताव संबंधित विभाग को भिजवाने एवं भूमि आवंटन की प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि इन कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# '24 दिसम्बर को देश भर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगे वाले कार्यकर्ता बाबा साहेब की बड़ी तस्वीर लिये हुय होंगे तथा अन्य कार्यकर्ताओं के हाथों में बड़ी-बड़ी तख्तियाँ होंगी, जिन पर पार्टी की माँगें अंकित होंगी। उन्होंने कहा, "26-27 दिसम्बर को, हम "एक्सटेन्डेड सी.डब्ल्यू.सी. सैशन तथा बेलागवी में एक विशाल रैली आयोजित करेंगे, जहाँ हम डॉ. अम्बेडकर तथा उनके आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायेंगे।"

इस सम्बंध में, सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को जारी किये गये एक सर्कुलर में, वेणुगोपाल ने लिखा, "इन सभी कार्यों का उद्देश्य डॉ. अम्बेडकर की विरासत की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दृढ़तापूर्वक दोहराना है, जो राष्ट्र के न्याय एवं समानता के प्रकाश स्तम्भ हैं। आपसे अनुरोध है कि इन सभी गतिविधियों का प्रभावी तरीके से समन्वय करें तथा पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और जनता की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अनुरोध है कि वे आयोजित मार्च की विस्तृत रिपोर्ट पेश करें।" उल्लेखनीय है कि संविधान के अंगीकरण की 75वीं वर्षगाँठ मनाने के लिये राज्यसभा में हुई एक बहस में जवाब देते हुये, शाह ने मंगलवार को कांग्रेस पर प्रहार करते हुये कहा था, "अम्बेडकर अम्बेडकर कहने का फैशन हो गया है। अगर उन्होंने इतनी बार भगवान का नाम लिया होता, तो उन्हें स्वर्ग में जगह मिल गई होती।"

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, बाबासाहेब अम्बेडकर पर शाह की टिप्पणी को लेकर, शाह के खिलाफ पहले ही विरोध जता चुकी हैं। इस बयान के संबंध में, विपक्ष ने संसद से सड़क तक जबरदस्त प्रदर्शन किया था। लेकिन, बाद में अमित शाह ने कहा था कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है।

# 'भाजपा का बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा से कोई मतलब नहीं'

## सचिन पायलट ने बहरोड़ के पास किसान सम्मेलन में भंवर जितेन्द्र व जूली के साथ भाग लिया

■ **बहरोड़ के गांव पहाड़ी में शुक्ला की ढाणी में स्वर्गीय बीरबल बोहरा व स्वर्गीय छिमली देवी की मूर्ति का अनावरण हुआ। साथ ही स्कूल में बरामदा का उद्घाटन समारोह भी हुआ।**

बहरोड़, 21 दिसम्बर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि गृहमंत्री ने अभी जो संसद भवन में भाषण दिया था, उनके पेट की बात मुंह पर आ गई। पायलट ने जनता से कहा कि बनाने वाले भी आप हो, गिराने वाले भी आप हो।

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट बहरोड़ के गांव पहाड़ी की शुक्ल की ढाणी में किसान सम्मेलन में उपस्थित जन समूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी विधायक छाती पीट रहे हैं। सुनने वाला कोई नहीं है। चार-पांच घंटे बिजली आती है और बात करते हैं चार लाख रोजगार देंगे, 24 घंटे बिजली देंगे, 10 साल से आप देश में सरकार चला रहे हो, 12 महीने आपको हो गए। कितने बच्चों को नौकरी दे पाए हैं। आप पूछो, कभी फलां मस्जिद को खोदते हैं, उससे मन्दिर निकल जाएगा। भाजपा दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए, मंदिर- मस्जिद, हिंदू- मुसलमान, हिंदुस्तान- पाकिस्तान, यहीं तक सीमित है। बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा से कोई मतलब नहीं है।

पायलट ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह को मंच से कहा, कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं है। आज राजस्थान में विपक्ष में हैं हम लोग। मोदी, अमित शाह दिल्ली से और यहां भजनलाल जी, वसुंधरा जी, सब कोई ताकत लगा रहे हैं। इन लोगों को अगर खिसकाना है 4 साल बाद, तो हम लोगों को मिलकर बहुत घूमना पड़ेगा। कार्यकर्ताओं को ऊर्जा देनी पड़ेगी। वे देखते हैं, जब नेता ही भागदौड़ नहीं कर रहे, तो हम क्यों करें। आप और हम मिलकर पूरे प्रदेश में जाकर कार्यकर्ताओं को ताकत दें, हिम्मत बंधाएं।

शनिवार को बहरोड़ के पहाड़ी, शुक्ला की ढाणी में स्वर्गीय बीरबल बोहरा एवं स्वर्गीय छिमली देवी की मूर्ति के अनावरण समारोह तथा स्कूल में कमरा -बरामदा उद्घाटन एवं किसान सम्मेलन में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता की प्रतिमा लगाना बच्चों का सौभाग्य है,आज के युग में जहां भाई-भाई का दुश्मन हो रहा है, ऐसे समय में ऐसे नेक कार्य समाज को नया संदेश देने और संस्कारों को जिंदा रखने तथा आने वाले पीढ़ियों को सिखाने का काम करेंगे।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह जनसमूह को संबोधित करते हुए बोले, उन्होंने रातोंरात तीन काले कानून बनाकर देश के किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया लेकिन अन्नदाता की आवाज और अपने अधिकारों के लिए उनकी लड़ाई ने देश की राजधानी दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया और सरकार को घुटने के बल ला दिया।

उन्होंने कहा कि यह सरकार गरीब और काश्तकारों को बांटने के लिए बनी है, इस सरकार को अडानी और अंबानी चला रहे हैं। देश के पीएम हाथ जोडक़र उनके सामने खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि आज किसान को खाद -बीज नहीं मिल रहा, यह सरकार किसान का खून पीना चाहती है। उन्होंने स्वर्गीय राजेश पायलट को याद करते हुए कहा कि किसानों की लड़ाई में उनकी भूमिका को सदैव याद किया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, विधायक ललित यादव, कांति प्रसाद मीणा, मांगीलाल मीणा, अजीत यादव, संजय यादव, आर्यन जुबेर खान, इमरान खान, रामफल गुर्जर, संजीव बारेठ, हरिशंकर रावत, विश्राम गुर्जर,बलराम यादव, गफूर खान,रोहिताश चौधरी सहित, गणमान्य लोग उपस्थित थे।

*पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने बहरोड़ के गांव पहाड़ी की शुक्ल की ढ ाणी में किसान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भाजपा ध्यान भटकाने के लिए, मंदिर- मस्जिद, हिंदू- मुसलमान, हिंदुस्तान- पाकिस्तान की बात करती है। बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा से कोई मतलब नहीं है।*

# 'वाहनों के अवधि पार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिसूचना जारी की थी। इसके तहत, वाहन के फिटनेस प्रमाण पत्र की अवधि बीतने के बाद नवीनीकरण करने पर प्रतिदिन पचास रुपए की अतिरिक्त फीस वसूलने का प्रावधान किया गया था। यह प्रावधान मोटर अधिनियम के प्रावधानों के खिलाफ है, क्योंकि अधिनियम में पेनल्टी का कोई प्रावधान नहीं है, जबकि सरकार अतिरिक्त फीस के नाम पर पेनल्टी वसूल रही है।

अधिनियम के तहत शुल्क लगाया जा सकता है, लेकिन फिटनेस प्रमाण पत्र के नवीनीकरण में देरी के आधार पर अतिरिक्त फीस नहीं वसूली जा सकती। ऐसे में इस प्रावधान को रद्द किया जाए। इसका विरोध करते हुए केन्द्र सरकार की ओर से एएसजी आरडी रस्तोगी व राज्य सरकार की ओर से एसएस नरुका ने कहा कि अधिनियम के तहत उन्हें फिटनेस, लाइसेंस और परमिट आदि के लिए शुल्क लगाने की शक्ति है।

अवधि पार परमिट के नवीनीकरण के लिए वसूला गया अतिरिक्त शुल्क, शुल्क संरचना का ही हिस्सा है। अधिनियम के तहत पूरी तरह से फिट वाहन ही रोड पर चल सकते हैं। ऐसे में सरकार को अतिरिक्त लेवी लगाने का अधिकार है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अवधि पार प्रमाण पत्रों के नवीनीकरण के लिए प्रतिदिन के हिसाब से अतिरिक्त फीस वसूलने को अवैध माना है।

# ई.डी. को केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की अनुमति मिली

■ **दिल्ली के उपराज्यपाल ने आबकारी नीति मामले में केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की अनुमति दी।**

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल एक बार फिर मुसीबत में फंसने वाले हैं। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी उपराज्यपाल के कार्यालय की ओर से दी गई है।

5 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी थी। अब जाकर उपराज्यपाल ने ईडी को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने की हरी झंडी दे दी है। केजरीवाल पर यह एक्शन अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही लिया गया है।

इस बीच, दिल्ली होई कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय को अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया द्वारा दायर याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। याचिका में दिल्ली आबकारी शराब नीति मामले में आरोपपत्रों पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है।

हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की याचिका पर नोटिस जारी किया था, जिसमें कथित आबकारी नीति घोटाले में उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी।

आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया था कि इस घोटाले में 6 प्रतिशत रिश्वत के बदले में निजी संस्थाओं को 12 प्रतिशत मार्जिन के साथ थोक शराब वितरण अधिकार दिए गए। इसके अतिरिक्त,आप नेताओं पर 2022 की शुरुआत में पंजाब और गोवा में चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया था।

# फडणवीस ने गृह विभाग अपने पास ही रखा

■ **महाराष्ट्र में विभाग बांटे, अजित को वित्त व शिंदे को शहरी विकास विभाग मिला।**

मुंबई, 21 दिसंबर। महाराष्ट्र में फडणवीस सरकार ने मंत्रियों को विभाग आवंटित कर दिए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गृह, ऊर्जा और कानून विभाग अपने पास रखा है, जबकि अजित पवार को वित्त विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, एकनाथ शिंदे को शहरी विकास और लोक निर्माण विभाग सौंपा गया है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शहरी विकास, आवास और लोक निर्माण जैसे तीन मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, गृह विभाग उन्हें नहीं दिया गया, जिसे वह कथित तौर पर चाह रहे थे।

# संसद में धक्का-मुक्की पर 7 सदस्यीय एस.आई.टी. का गठन

■ **इस प्रकरण में भाजपा के दो सांसद घायल हो गये थे। मामला दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जाँच के लिये 7 सदस्यों की एस.आई.टी. का गठन किया।**

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। संसद में हुए धक्का-मुक्की मामले की जांच अब गति पकड़ने लगी है। इस मामले को पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन से दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया है। इसकी जांच अब क्राइम ब्रांच की चाणक्यपुरी स्थित आई.एस.सी. यूनिट करेगी।

यह मामला संसद परिसर में सांसदों के बीच धक्कामुक्की का है जिसमें बीजेपी के दो सांसद, प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए थे। दोनों का इलाज आरएमएल अस्पताल में चल रहा है।

ऐसे में मामले की संजीदगी और गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार रात क्राइम ब्रांच की एक एसआईटी टीम का गठन किया गया है।

क्राइम ब्रांच की इस एसआईटी की टीम में 2 एसीपी, 2 इंस्पेक्टर और 3 सब इंस्पेक्टर होंगे शामिल जो सीधे डीसीपी को रिपोर्ट करेंगे। कहा जा रहा है कि इस मामले की जांच में 2 एसीपी को एसआईटी में इसलिए शामिल किया गया है कि क्योंकि मामला पोलिटिकली हाई प्रोफाइल है।

अमूमन देखा गया है कि पॉलिटिकल हाई प्रोफाइल मामले हमेशा दिल्ली पुलिस की आई.एस.सी. क्राइम ब्रांच यूनिट को ही जांच के लिए ट्रांसफर किया जाता है। सूत्रों के अनुसार, पार्लियामेंट एडमिनिस्ट्रेशन को सीसीटीवी फुटेज के लिए लेटर लिखा जाएगा, क्योंकि, घटना से जुड़ी जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज काफ़ी मायने रखती है।

# एल.पी.जी. टैंकर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा उन सभी पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को पर्याप्त मुआवजा राशि दी जाए, जिनके वाहन व संपत्ति का इस अग्निकांड में नुकसान हुआ है। अदालत ने पूछा है कि ब्लैक स्पॉट एवं खतरनाक यू-टर्न की पहचान और हाईवे पर इन खतरों के लिए चेतावनी बोर्ड लगाने के लिए क्या किया जा रहा है, ताकि मानव जीवन व सभी जीवों की सुरक्षा की जा सके। अदालत ने कहा कि यदि सरकार सड़क सुरक्षा के लिए उचित सावधानी बरतती तो ऐसी घटना से बचा जा सकता था। हर साल हजारों लोग सडक़ों, यू-टर्न और ब्लैक स्पॉट को पार करते समय मर जाते हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य, राज्य के महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, एएसजी आरडी रस्तोगी व अधिवक्ता संदीप पाठक को भी सहयोग करने के लिए कहा है।

# दिल्ली-एन.सी.आर. में हल्की वर्षा का अनुमान

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। पहाड़ों में बर्फबारी हो रही है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान माइनस के नीचे पहुंच रहा है। पहाड़ों में बर्फबारी के साथ ही मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। अगले 48 घंटों में दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदलने वाला है।

■ **हिमाचल, कश्मीर, उत्तराखंड में बर्फ गिरने से सर्दी बढ़ी।**

दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश का अनुमामन है।

अभी दिल्ली-एनसीआर में सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट देखी जा रही है। दिन में धूप रहने के कारण लोगों को थोड़ी ठंड से राहत मिलती है। वहीं, दो दिन बाद दिल्ली के तापमान में गिरावट आएगी और ठंड भी बढ़ जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को औसत न्यूनतम तापमान 6 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

# अनपैक्ड पॉपकॉर्न पर 5 , ब्रैण्डेड पर 12 प्रतिशत जी.एस.टी.

## वित्त मंत्री की अध्यक्षता में जी.एस.टी. काउन्सिल ने 45 वस्तुओं पर टैक्स दर कम की

■ **काउन्सिल ने जीन थैरेपी पर जी.एस.टी. से पूरी छूट देन की सिफारिश की। वाउचर के लेन-देन पर जी.एस.टी. नहीं लगाने की सिफारिश की, क्योंकि यह न तो माल की आपूर्ति है और न सेवाओं की।**

जैसलमेर, 21 दिसम्बर (नि.सं.)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस से रूबरू होकर बताया कि जी.एस.टी. परिषद की 55 वीं बैठक में तय किया गया है कि अनपैक्ड पॉपकॉर्न पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, लेबल वाले और ब्रांडेड पॉपकॉर्न पर 12 प्रतिशत टैक्स लगेगा, जबकि कैरमल युक्त पॉपकॉर्न को 18 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि जी.एस.टी. परिषद ने 1904 के तहत वर्गीकृत फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफ.आर.के.) पर जी.एस.टी. दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की। जी.एस.टी. परिषद ने जीन थेरेपी पर भी जीएसटी से पूरी छूट देने की सिफारिश की। मोटर वाहन दुर्घटना निधि के लिए तीसरे पक्ष के मोटर वाहन प्रीमियम से सामान्य बीमा कंपनियों द्वारा योगदान पर जी.एस.टी. से छूट की सिफारिश की।

जी.एस.टी. परिषद ने वाउचर के लेन-देन पर जी.एस.टी. न लगाने की सिफारिश भी की है, क्योंकि वह न तो माल की आपूर्ति हैं और न ही सेवाओं की आपूर्ति। वाउचर से संबंधित प्रावधानों को भी सरल बनाया जा रहा है। जी.एस.टी. परिषद ने स्पष्ट किया कि ऋण शर्तों का पालन न करने पर बैंकों और एन.बी.एफ.सी. द्वारा उधारकर्ताओं पर लगाए गए और वसूले गए दंडात्मक शुल्क पर कोई जी.एस.टी. देय नहीं है।

जी.एस.टी. परिषद ने केवल जुर्माना राशि से संबंधित पारित आदेश के संबंध में अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व-जमा राशि के भुगतान में कमी की सिफारिश की, उन्होंने बताया कि जी.एस.टी. दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए मंत्रियों के समूह (जी.ओ.एम.) ने अपनी रिपोर्ट पेश करने को स्थगित कर दिया है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि रिपोर्ट में 148 वस्तुओं पर कर दरों में बदलाव की सिफारिश की गई है। बैठक में कई राज्यों के मुख्यमंत्री (जो वित्त मंत्री का जिम्मा भी संभालते हैं) के साथ-साथ, कई राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हुए।

वित्त मंत्री ने बताया कि जब किसान काली मिर्च और किशमिश की सप्लाई करेंगे तो उसपर जीएसटी नहीं लगेगी।

जी.एस.टी. काउंसिल ने 45 वस्तुओं पर टैक्स दरों में कमी की घोषणा की है, जिससे जनता और व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। नवीन चिकित्सा पद्धितयों को बढ़ावा देने के लिए जीन थैरेपी पर जीएसटी पूरी तरह से माफ कर दी गई है। एटॉमिक ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षण से संबंधित उपकरणों पर जीएसटी में पूर्ण छूट प्रदान की गई है। मुफ्त वितरण के लिए तैयार किए जाने वाले खाद्य उत्पादों पर जीएसटी दरों को घटाया गया है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

TRUE VALUE

MARUTI SUZUKI

# वाइड रेंज के साथ बेहतरीन क्वालिटी मिलेगी सिर्फ TRUE VALUE पे

376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स

3 FREE SERVICES

3 फ्री सर्विस और 1 साल तक की वारंटी*

वेरिफाइड कार हिस्ट्री*

अधिक जानने के लिए स्कैन करें

**पूछताछ के लिए कॉल करें** 1800 102 1800 | **या जाएँ यहाँ** www.marutisuzukitruevalue.com

*नियम और शर्तें लागू। **Verified Car History** और **Warranty** केवल **True Value** प्रमाणित कारों पर लागू। निःशुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।

**S-140, Madri Industrial Area, Udaipur,** Navneet Motors: 7230016838, 9929140770, 7597349534 | **Sukher, 200 Feet Road, Sukher Bye Pass, Khelgaon Road, Near Bheravgarh Resort, Udaipur,** Technoy Motors: 9530396820, 8112266227, 9530396861 | **Banswara: Thikaria Dahod Road, Banswara,** Navneet Motors: 7665887333.